दैनिक पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः20 | ग्वालियर, 28 नवम्बर, मंगलवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

अमेरिका ने भारत पर लगाया गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप

नई दिल्ली। कुछ दिन पहले ही कनाडा के राष्ट्रपति जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप लगाया था. ट्रूडो के इस आरोप ने दोनों देशों के राजनयिक रिश्ते को बुरी तरह प्रभावित कर दिया था. हालांकि कनाडा की तरफ से इस आरोप को साबित करने के लिए कोई भी सबूत पेश नहीं किया गया. इस घटना के बाद अमेरिकी अखबार फाइनेंशियल टाइम्स ने भी सूत्रों के हवाले से दावा किया था कि अमेरिका ने अपने देश की जमीन पर एक सिख अलगाववादी की हत्या की साजिश को नाकाम किया है. फाइनेंशियल टाइम्स के इस रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने इस साजिश में भारत के शामिल होने का आरोप लगाया है. हालांकि, यह मामला कब का है रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं है. इसके अलावा अब तक अमेरिका की तरफ से भी इस रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है. ऐसे में इस रिपोर्ट में जानते हैं कि आखिर गुरपतवंत सिंह पन्नू कौन है जिसके हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप अमेरिका भारत पर लगा रहा है. इसके अलावा एक सवाल ये भी उठता है कि क्या इस आरोप से भारत और अमेरिका के रिश्ते खराब हो जाएंगे.

राहुल खेल रहे हिंदुत्व का कार्ड उन्हें महसूस हो रहा अकेलापन

नई दिल्ली। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और बीआरएस के बीच गठबंधन है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार इस गठबंधन पर निशाना साध रहे हैं. उन्होंने तेलंगाना में कई जनसभाओं में कहा है कि दोनों पार्टियां बीजेपी की बी टीम हैं. वहीं, अब इस मुद्दे पर एबीपी न्यूज से खास बातचीत में ओवैसी ने राहुल को निशाने पर लिया है. असदुद्दीन ओवैसी से जब सवाल किया गया कि तेलंगाना का चुनावी माहौल क्या है. इस पर उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जनता एआईएमआईएम और बीआरएस के साथ है. लेकिन कई लोगों को ऐसा लग रहा है लोग उन्हें बुला रहे हैं. लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है. अब दो दिन बचे हुए हैं और सभी पार्टियां इस कोशिश में जुटी हुई हैं कि चुनावी नतीजे उनके पक्ष में आए जाएं. हर पार्टी अपनी तरफ से अपनी बातों को लोगों तक पहुंचाने का काम कर रही है. हैदराबाद का गढ़ बचाने की चुनौती को लेकर बात करते हुए ओवैसी ने कहा कि हैदराबाद में जिन सीटों पर हमें पहले जीत मिली थी, हम उन्हें फिर से जीतने वाली हैं. जिन जगहों से हम चुनाव लड़ रहे हैं, वहां से भी हमें जीतने मिलने वाली है. उन्होंने कहा कि जनता हमारे साथ है और वह हमें उन सभी नौ सीटों पर जीताएगी, जहां से हम चुनाव लड़ रहे हैं. ओवैसी ने तेलंगाना चुनाव में कुल मिलाकर 50 से ज्यादा रैलियां और जनसभाओं को संबोधित किया है.

नागरिकता संशोधन कानून क्या है, क्या मार्च में लागू कर देगी इसे मोदी सरकार

नई दिल्ली। आज से चार साल पहले यानी साल 2019 में जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश में नागरिकता संशोधन कानून (ट्ट) लागू करने की बात की थी तो उस वक्त देशभर में इस कानून का जमकर विरोध किया गया था. अब भारत में साल 2024 में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं. इस चुनाव से पहले प्रचार प्रसार के दौरान 26 नवंबर को उत्तर प्रदेश के ठाकुरनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बीजेपी नेता और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा ने बड़ा बयान दे दिया है. दरअसल उत्तर प्रदेश के ठाकुरनगर में मतुआ समुदाय को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा ने कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम यानी ट्ट का फाइनल ड्राफ्ट अगले साल 30 मार्च तक तैयार होने की उम्मीद है. इसी जनसभा में मिश्रा कहते हैं कि पिछले कुछ सालों में सीएए को लागू करने की प्रक्रिया में तेजी आई है. फिलहाल कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिसे सुलझाया जा रहा है. इससे पहले गृह मंत्रालय (एमएचए) ने 2020-21 के लिये अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 एक सहानुभूतिपूर्ण और सुधारात्मक कानून है और यह किसी भी भारतीय को नागरिकता से वंचित नहीं करता है. बीजेपी नेता के इस बयान से साफ है कि अब अगले साल देश में नागरिकता संशोधन कानून लागू कर दिए जाएंगे. ऐसे में इस रिपोर्ट में जानते हैं कि आखिर नागरिकता संशोधन कानून क्या है और इसका विरोध क्यों किया जाता रहा है.

कमलनाथ के बाद जीतू पटवारी का सीएम शिवराज पर हमला

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव की वोटिंग के बाद भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है. कांग्रेस नेता लगातार प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान को घेरने का प्रयास कर रहे है. एक दिन पहले जहां पीसीसी चीफ कमलनाथ ने सीएम शिवराज पर जुबानी हमला बोला था, वहीं अब पूर्व मंत्री जीतू पटवारी और कालापीपल से विधायक कुणाल चौधरी ने भी शिवराज सिंह चौहान पर एक बड़ा आरोप लगाया है. दरअसल, कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर आरोप लगाते हुए कहा कि, केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के बेटे देवेन्द्र प्रताप सिंह का जो वीडियो वायरल हुआ है, उसे शिवराज सिंह चौहान ने ही सार्वजनिक कराया है. जीतू पटवारी ने कहा कि, अब केन्द्र को शिवराज पर भरोसा नहीं है, नरेन्द्र सिंह तोमर सीएम न बने इसलिए शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो सार्वजनिक कराया. जीतू पटवारी ने कहा कि, भगवान शिवराज की नहीं सुनेंगे. शिवराज प्रदेश को लगातार कर्जदार बना रहे हैं.

जेल की सलाखों के पीछे होंगे ये माफिया

एबीपी न्यूज संवाददाता से चर्चा करते हुए कांग्रेस के विधायक कुणाल चौधरी ने कहा कि, माफिया तंत्र सरकार चला रहे हैं, सरकार में बैठे लोग उनके टुकड़ों पर पल रहे हैं और उन्हें संरक्षण दे रहे हैं. सरकार ने माफिया तंत्र के द्वारा कर्मचारी की हत्या कराई है, इसका जवाब 3 तारीख के बाद प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद मिलेगा. सरकार बदल रही है और ये जो माफिया तंत्र हैं और इनको संरक्षण देने वाले नेता जेल की सलाखों के पीछे होंगे.

भगवान से माफी मांगे शिवराज

पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने कहा कि, शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश को भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया है. शिवराज सिंह चौहान को करप्शन के लिए भगवान से माफी मांगना चाहिए. जीतू पटवारी ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बन रही है. आईबी ने कांग्रेस को 138 सीट मिलने का सर्वे शिवराज को दिया, लेकिन शिवराज ने आईबी के सर्वे को भी नहीं माना. आईबी के सर्वे में कांग्रेस की सरकार बन रही है. बीजेपी ने करोड़ों रुपए बांटे, लेकिन सरकार नहीं बन रही है.

मुंबई में घुसे आतंकी, हमलों को अंजाम देंगे

नई दिल्ली। मुंबई में 26-11 के दिल दहलाने वाले हमले की पंद्रहवीं बरसी पर एक बार फिर पुलिस कंट्रोल रूम में धमकी भरा फोन आया है. कॉलर ने बताया कि मुंबई मे आतंकी घुसे चुके है जो हमले को अंजाम देंगे. कॉल पर जानकारी मिली

की मुंबई के मनखुर्द इलाके मे 3 आतंकी घुसे हैं. पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया है और गहन जांच शुरू कर दी गई है फोन करने वाले को ट्रेस किया जा रहा है और उसके द्वारा दी गई सूचना को वेरिफाई किया गया है. पुलिस ने फिलहाल इस बारे में खुलासा नहीं किया है कि कॉल करने वाले के बारे में कुछ जानकारी मिल पाई है या नहीं. उसकी दी गई सूचना कितनी सही है, इस बारे में भी जानकारी नहीं मिली है. हालांकि धमकी भरे इस फोन के बाद पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया है. पुलिस की स्पेशल टीम के साथ साइबर सेल ने इस अनजान कॉलर को ट्रेस करने की प्रक्रिया शुरू की है.

21 नवंबर को भी मिली थी धमकी

इसके पहले 21 नवंबर (मंगलवार) देर रात एक शख्स ने मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में फोन किया था. उसने अपना नाम शोएब बताया था और कहा था कि गुजरात में रहने वाली समा और कश्मीर के आसिफ मुंबई में धमाके की बड़ी घटना को अंजाम देने वाले हैं. आरोपी शख्स ने पुलिस को समा और आसिफ का फोन नंबर भी दिया था.

पीएम मोदी और सीएम योगी को भी धमकी

हाल ही में एक धमकी भरा फोन आया था, जिसमें शख्स ने दावा किया था कि वह अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के गिरोह का गुर्गा है. उसने पीएम नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हत्या की धमकी दी थी. उसने जेजे अस्पताल में भी हमले की बात कही थी. इससे पहले भारत और न्यूजीलैंड मैच दौरान गोला बारूद अपलोड कर एक शख्स ने नापाक घटना को अंजाम देने की धमकी मुंबई पुलिस को दी थी. इस मामले में 17 साल के एक किशोर को गिरफ्तार किया गया था.

मुंबई हमले में गई थी 164 लोगों की जान

आपको बता दें कि 26 नवंबर 2008 मुंबई में भीषण आतंकी हमले ने पूरी दुनिया को हिला दिया था. आतंकियों ने बर्बर तरीके से होटल ताज और अन्य जगहों पर हमले किए थे. चारों तरफ लाशों का अंबार लगा था, जिसे देख पूरी दुनिया हैरान थी. पाकिस्तान से आए 10 आतंकियों ने चार दिनों तक जो खून खराबा मचाया उसे पूरी दुनिया ने देखा. हमले में 164 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 300 से अधिक लोग घायल हुए थे.

रोबोट जाएगा सुरंग के अंदर, बुलाए गए ड्रोन मैन मिलिंद राज

नई दिल्ली। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा सुरंग में 41 मजदूरों को फंसे 15 दिन गुजर चुके हैं और सोमवार (27 नवंबर) को 16वां दिन है. कभी मशीन खराब हो जाती है तो कभी कुछ और, मतलब रेस्क्यू ऑपरेशन के काम में बार-बार कोई न कोई रुकावट आ जाती है और ऑपरेशन बीच में ही रोकना पड़ता है. बीते शनिवार को ऑपरेशन आखिरी चरण में था और अमेरिकी ऑगर मशीन से सुरंग में 48 मीटर की ड्रिलिंग कर ली गई थी, सिर्फ 12 से 14 मीटर और ड्रिल करना था, लेकिन बीच में ही मशीन खराब हो गई.

प्रयागराज कांड के आरोपी लारेब हाशमी ने किया था लोन वुल्फ अटैक

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में इलेक्ट्रिक सिटी बस के कंडक्टर हरिकेश विश्वकर्मा पर जानलेवा हमले के मामले की जांच कर रही एटीएस की टीम ने चौंकाने वाला खुलासा किया है. एटीएस का कहना है कि आरोपी लारेब हाशमी ने बस कंडक्टर पर लोन वुल्फ अटैक किया था. लारेब हाशमी बीटेक का छात्र है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, लोन

वुल्फ अटैक की ट्रेनिंग आतंकी संगठन प्रशिक्षण के दौरान आतंकियों को देते हैं. इसमें हमलावर भीड़ भा? वाले इलाके, मार्केट जैसी जगहों पर अकेले ही घुस जाता है और हमला करता है. क्या लारेब को लोन वुल्फ अटैक की ट्रैनिंग दी गई या फिर वो सेल्फ रेडिकलाइस है, इन दोनों ही एंगल की एटीएस जांच कर रही है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अब वे साफ हो चुका है कि लारेब का कंडक्टर पर हमला कोई पुराना टिकट को लेकर पैसों का विवाद नहीं है, बल्कि लारेब कट्टरपंथ और जिहाद के रास्ते पर था.

खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप के पकड़े गए दोनों शार्प शूटर्स कौन?

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को रविवार (26 नवंबर) की रात बड़ी कामयाबी हासिल हुई. पुलिस ने रात में एनकाउंटर कर कनाडा में बैठे खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप अर्श डल्ला के दो शूटर्स राजप्रीत सिंह उर्फ राजा और वीरेंद्र सिंह उर्फ विम्मी को गिरफ्तार किया है. दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की मानें तो डल्ला गैंग के इन दोनों शूटर्स को पंजाबी सिंगर एली मंगत की हत्या के लिए भेजा गया था. हालांकि, इससे पहले ही ये दोनों शूटर्स पुलिस के हत्थे चढ़ गए. पुलिस को अर्शदीप सिंह डल्ला के जरिए भेजे गए इन दोनों शूटर्स से हथियार भी मिले हैं. पुलिस ने पूरी प्लानिंग के साथ जाल बिछाया था, जिसमें ये दोनों फंस गए. फिलहाल पुलिस की गिरफ्त में मौजूद इन दोनों शूटर्स से पूछताछ की जा रही है. ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर राजप्रीत सिंह उर्फ राजा और वीरेंद्र सिंह उर्फ विम्मी कौन हैं और कहां के रहने वाले हैं. दरअसल, रविवार को स्पेशल सेल की टीम को जानकारी मिली थी कि कनाडा में बैठे खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप डल्ला के दो शूटर दिल्ली में मौजूद है. पुलिस को पता चला कि वे दोनों मयूर विहार के पास आने वाले हैं. इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने ट्रैप लगाया और मयूर विहार फ्लाईओवर के नीचे जब दोनों बाइक पर आ रहे थे, तब पुलिस की टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया.

आजादी के बाद पहली बार कश्मीर के गुरेज में पहुंची बिजली

नई दिल्ली। उत्तर कश्मीर में नियंत्रण रेखा से सटे अग्रिम इलाकों में शामिल बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर को आजादी के बाद पहली बार बिजली ग्रिड से जोड़ा गया है. न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने कहा कि अब तक सीमांत का यह क्षेत्र गुरेज बिजली के लिए डीजल जनरेटर पर निर्भर था. कश्मीर बिजली वितरण निगम लिमिटेड (केपीडीसीएल) ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर)पर इसकी घोषणा की है. बताया गया है कि रविवार (26 नवंबर) को गुरेज को बिजली ग्रिड से जोड़ा गया है. इसके बाद क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है. सीमा से सटे कश्मीर के अधिकतर इलाके ऐसे हैं, जहां अभी भी बिजली की अबाध आपूर्ति पूरी नहीं हो पाई है. गुरेज में बिजली कनेक्शन पहुंचने के बाद अब अन्य इलाकों में भी लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं. गुरेज सेक्टर के बिजली ग्रिड से जुड़ने के बाद जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने खुशी जाहिर की है. उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन है.

नहीं पहुंची एंबुलेंस तो लेबर पेन से कराह रही महिला ने नाव में ही दिया बच्चे को जन्म

नई दिल्ली। गुवाहाटी में एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अस्पताल ले जाते वक्त नाव में ही बच्चे को जन्म दे दिया. महिला ने बच्चे को उस दौरान जन्म दिया जब एंबुलेंस उसके घर पहुंचने में असफल रही और प्रसव पीड़ा के बाद उसको नाव में ही बच्चे को जन्म देना पड़ा. यह घटना शनिवार की बताई जा रही है, जब कुछ महिलाओं की मदद के बाद उसकी डिलीवरी करा दी गई. स्थानीय व्यक्ति के मुताबिक, महिला प्रसव पीड़ा में थी और परिवार इसको लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था इसलिए डिलीवरी घर पर नहीं कराई गई. उन्होंने बताया कि आस पास कोई डॉक्टर भी नहीं था जो महिला की डिलीवरी करा सके. इसके साथ ही बोट क्लिनिक से भी संपर्क किया गया, लेकिन उधर से कोई भी जवाब नहीं आया. यही वजह है कि बिना देरी किए महिला को बोट पर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही महिला की प्रसव पीड़ा बढ़ गई और रास्ते में ही उसकी डिलीवरी करानी पड़ी. स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, महिला और बच्चा दोनों सुरक्षित हैं. परिवारवाले महिला को वापस घर ले गए हैं. घर पर ही महिला की आगे देखभाल की जाएगी. इसके साथ ही अधिकारियों ने इस बात से साफ इनकार कर दिया कि बोट क्लिनिक की तरफ से कोई रिस्पांस नहीं दिया गया.

तेलंगाना को बर्बाद करने में केसीआर और कांग्रेस दोनों पापी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि तेलंगाना को बर्बाद करने में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) और कांग्रेस दोनों पापी हैं. तेलंगाना के लोग केसीआर सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कमर कस चुके हैं. उन्होंने कहा है कि केसीआर सरकार में जो घोटाले हुए हैं. तेलंगाना में बीजेपी की सरकार बनने पर उनकी जांच की जाएगी. पीएम मोदी ने तेलंगाना के महबूबाबाद में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं. तेलंगाना विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार अपने जोरों पर हैं. कांग्रेस से लेकर बीजेपी तक चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं. इसी कड़ी में पीएम मोदी ने भी तेलंगाना में चुनावी जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जनता

को बीजेपी पर विश्वास है. अगला तेलंगाना का मुख्यमंत्री बीजेपी से ही होगा. ये जनता ने तय कर लिया है. पीएम ने कहा कि तेलंगाना में बीजेपी की सरकार बनी तो मुख्यमंत्री ओबीसी समाज से होगा. सबको उचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा.

अब उत्तरकाशी में कुदरत के कहर का खौफ

नई दिल्ली। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले की सिलक्यारा में धंसी निर्माणाधीन सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को निकालने के अभियान का आज (27 नवंबर) 16 वां दिन है. इन्हें निकालने के लिए पहुंचाई जाने वाली 80 सेंटीमीटर व्यास की आखिरी 10 मीटर की पाइप बिछाने का काम पिछले चार दिनों से नहीं हो पाया है, क्योंकि ड्रिल करने वाली ऑगर मशीन में टूट कर अंदर ही फंस गई थी. इस बीच बचाव अभियान पर कुदरत के कहर का खतरा भी मंडराने लगा है. पाइप के अंदर से मशीन के टूटे हुए हिस्से को भले ही निकाल लिया गया है. अब वैकल्पिक

रास्ते के तौर पर भारतीय सेना के जवान पहाड़ी के ऊपर से वर्टिकल खुदाई कर रहे हैं. करीब 20 मीटर तक की खुदाई पूरी हो चुकी है. वर्टिकल तौर पर कम से कम 86 मीटर की खुदाई की जानी हैं, जिसमें चार दिनों का वक्त लगने का दावा किया जा रहा है. दूसरी ओर सुरंग के अंदर बचाव अभियान के लिए अचूक रणनीति बनाने में मदद के लिहाज से ड्रोन मैपिंग भी कर ली गई है. इस बीच मौसम विभाग के एक अलर्ट ने बचाव अभियान में जुटे कर्मियों और अंदर फंसे श्रमिकों के परिजनों की टेंशन बढ़ा दी है.

भारी बारिश और बर्फबारी का खतरा

भारतीय मौसम विभाग ने उत्तराखंड के लिए येलो अलर्ट जारी किया है. विभाग ने आज सोमवार से तीन दिनों तक भारी बारिश के साथ बर्फबारी की चेतावनी दी है, जिसकी वजह से बचाव अभियान में और मुश्किलें आ सकती हैं. विभाग ने उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा के ऊपरी इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से भारी बारिश के साथ-साथ बर्फबारी की संभावना व्यक्त की है. सिलक्यारा, बड़कोट उत्तरकाशी के वो इलाके हैं जहां भारी बर्फबारी होती है.

देवपुर पहुंचकर विधायक उमाकांत शर्मा ने बाबा विश्वनाथ का किया अभिषेक

अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर क्षेत्र के तीर्थ क्षेत्र बाबा विश्वनाथ की नगरी देवपुर में मेले का आयोजन हुआ। आस्था और विश्वास के इस मेले में श्रद्धा और विश्वास के साथ हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र कुंड में डुबकी लगाकर बाबा विश्वनाथ की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक उमाकांत शर्मा ने भी हमेशा की तरह पूर्णिमा के अवसर पर बाबा विश्वनाथ के दरबार में पहुँचकर अभिषेक किया एवं पूजा अर्चना की। इसके उपरांत उन्होंने देवपुर में समस्त समाजों के मंदिरों में भी पहुँचकर स्थापित देवी देवताओं की पूजा अर्चना की । इस मौके पर देवपुर धाम में परंपरा अनुसार दर्शनों के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मेले का भी आयोजन किया गया। इस मेले में सजी विभिन्न प्रकार की दुकानों पर खरीददारी कर रहे ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों के बीच पहुँचकर विधायक शर्मा ने उनकी कुशल क्षेम भी पूछी। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने कार्तिक मास में पवित्र कुंड में कार्यकर्ताओं सहित दीपदान भी किए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष झार सिंह दाँगी,संतोष चौरे, भैरो सिंह कुर्मी,कलेक्टर सिंह यादव, नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,सचिन शर्मा सहित कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

गुरु नानक देव जी की जयंती पर धूमधाम से मनाया गया प्रकाश पर्व

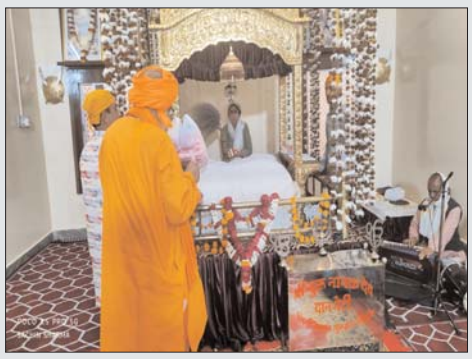

अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। सोमवार को गुरुनानक देव जी की जयंती पर नगर में प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा ने भी रावजी पथ स्थित गुरुद्वारे में पहुँचकर गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष अपनी अरदास लगाई तथा प्रकाश पर्व की क्षेत्र वासियों को शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने यहाँ हो रहे संकीर्तन में भी सहभागिता की। तथा साथियों सहित सामूहिक लंगर में प्रसादी भी ग्रहण की। इस अवसर पर ओम प्रकाश वलेजा, मनसुखदास लोकवाणी, बबलू लोकवाणी मनीष वलेजा,भैरोसिंह कुर्मी,सोनू ?याणी,रमेश यादव, संतोष चोरे, मनमोहन साहू,मनोज साईनाथ सचिन शर्मा सहित सनातनी बंधु उपस्थित रहे।

पंडित प्रसाद पालीवाल ने अपने जनपद क्षेत्र में पहुंचकर मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दी

अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। जनपद सदस्य प्रतिनिधि, वरिष्ठ समाजसेवी, जिला सहसंयोजक भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ पंडित प्रशांत पालीवाल अपने जनपद क्षेत्र के ग्रामों में पहुंचकर ग्राम वासियों को मिठाई खिलाई एवं दीपावली की शुभकामनाएं दी इस दौरान उनके मित्र मंडली एवं सहयोगि भी उपस्थित रहे।

मतगणना स्थल पर धूम्रपान प्रतिबंधित

मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

खरगोन। विधानसभा चुनाव की मतगणना के लिये नियत स्थल पर मोबाईल एवं धूम्रपान का उपयोग वर्जित रहेगा। मतगणना स्थल पर मोबाईल का उपयोग करने वाले एवं धूम्रपान करने वालों को बाहर कर दिया जायेगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक उम्मीदवारों के मतगणना एजेंटों एवं शासकीय गणना कार्य के लिए नियुक्त शासकीय सेवक गणना स्थल पर मोबाइल, केलकुलेटर, खाने-पीने की सामग्री आदि लेकर नहीं जा सकेंगे। मतगणना अभिकर्ताओं को केवल एक पेन एवं दो कागज ही ले जाने दिया जाएगा। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतगणना स्थल पर मतगणना कार्य में संलग्न सभी अधिकारी-कर्मचारी, अभ्यर्थी, अभ्यर्थी के निर्वाचन अभिकर्ता एवं गणना अभिकर्ताओं को मतगणना स्थल पर मोबाईल, धूम्रपान संबंधी वस्तुएं जैसे जर्दा, पान, सुपारी, पाउच, बीड़ी, सिगरेट आदि साथ ले जाना व इसका उपयोग करना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।

जिस दुनिया में रहते हैं, उसमें अपने आप को जानेः प्रेम रावत

प्रेम रावत को सुनने आए 3.75 लाख लोग बना विश्व रिकार्ड

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बोधगया। प्रसिद्ध शिक्षाविद प्रेम रावत ने जीवन के मूल्य की समझ अपने आप को जानना विषय पर रविवार को गया जिले के बोधगया के औरा गांव में व्यख्यान दिया। उनकी गहरी बातों को सुनने की ऐसी ललक रही कि यह किसी मेंटर को सुनने आई भीड़ का नया विश्व रिकार्ड बन गया। गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स की टीम ने दर्शकों की संख्या 3,75,603 रिकार्ड की। 40 एकड़ के सभा स्थल में प्रवेश को 16 द्वार बनाए गए थे। सभी द्वार पर गिनती के लिए आटोमेटिक मशीन लगी थी, जिसमें लोगों की संख्या गिनना संभव हो सका। दर्शकों में 50 आप्रवासी थे। गिनिज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स के निर्णायक स्वप्निल डंगरिकार व प्रवीण पटेल और विषय वस्तु विशेषज्ञ की उपस्थिति में प्रेम रावत ने मंच पर प्रणाम पत्र स्वीकार किया। उनका यह संबोधन एक घंटे से भी ज्यादा समय रहा। उन्होंने आज हम जिस दुनिया में रहते है, उसमें अपने आप को जानने के महत्व पर प्रकाश डाला। किसी भी अन्य चीज से अधिक अपने आप को जानने को महत्व देते हुए कहा कि अपने आप को जानो। उन्होंने आगे कहा कहा, अज्ञानता भ्रम पैदा करती है, जबकि ज्ञान संतोष और संतुष्टि की भावना को पैदा करता है। अपने आप को समझने के पिछे एक और प्रमुख उद्देश्य यह है कि जीवन में हमारा नियंत्रण केवल अपने आप पर होता है। और यही हमारे जीवन में हमारी खुशी और शांति को निर्धारित करता है। इसलिए जीवन यात्रा में अपने आप को जानना हमें ड्राइवर की सीट पर रखता है। प्रेम ने आगे कहा, इससे कोई फर्क नही पड़ता कि हम ईश्वर में विश्वास करते हैं या नही, हर विचार, अवधारणा और विश्वास से परे, हमारे पास यह जीवन है, हम देखने योग्य ब्राह्मंड को देख सकते हैं और यह सृष्टि स्पष्ट है और यही शक्ति इस सृष्टि को चला रही है। प्रेम रावत एक प्रसिद्ध शिक्षाविद, बेस्टसेलर लेखक, मानवतावाद और अब दो गिनिज वर्ल्ड रिकार्ड के धारक है, जो विश्व भर के श्रोताओं को वास्तव में अपने आप से जुडने और संतुष्टि का जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रेम रावत ने प्रत्येक व्यक्ति के लिए आशा और शांति का व्यावहारिक संदेश लाने के लिए अपने अथक प्रयासों से लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है।

उम्मीदवार के गणना अभिकर्ताओं को दी जायेगी चक्रवार परिणाम की फोटो कॉपी

मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

खरगोन। भारत निर्वाचन आयोग के मतगणना में पारदिर्शता बरतने के निर्देशानुसार विधानसभा चुनाव की मतगणना के लिए तय प्रत्येक गणना कक्ष में उपस्थित गणना अभिकर्ताओं को उस गणना मेज के प्रारूप 17-सी के भाग-दो में तैयार प्रत्येक चक्र के परिणाम की फोटो प्रति प्रदान की जायेगी जिस टेबल पर उसे उम्मीदवार द्वारा नियुक्त किया गया है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतगणना कक्ष में प्रत्येक काउंटिंग टेबल पर उपस्थित उम्मीदवारों के अभिकर्ताओं से संबंधित काउंटिंग सुपरवाईजर द्वारा मतगणना के प्रत्येक चक्र के बाद प्रारूप 17-सी के भाग-दो में तैयार परिणाम पत्र पर हस्ताक्षर लिये जायेंगे। प्रारूप 17-सी के भाग-दो को दो प्रतियों में तैयार किया जायेगा। इसकी एक प्रति रिटर्निंग अधिकारी अथवा सहायक रिटर्निंग अधिकारी को चक्र में पड़े कुल मतों की गणना के लिए सौंपी जायेगी। जबकि दूसरी प्रति को गणना टेबल से रिटर्निंग अधिकारी द्वारा विशेष रूप से नियुक्त अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जायेगा और काउंटिंग टेबल पर बैठे हुए मतगणना अभिकर्त्ताओं को वितरित करने के लिए उसकी फोटो प्रतियां बनवायेगा। निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिए हैं कि गणना के प्रारूप 17-सी के भाग-दो में तैयार परिणाम की प्रतियों के वितरण का काम पूरा होने तक मतगणना के अगले चक्र को प्रारंभ करने की प्रतीक्षा न की जाये। फोटो प्रतियों का वितरण और गणना का कार्य साथ-साथ किये जा सकेंगे। आयोग ने फोटो कॉपी का प्रबंध यथासंभव प्रत्येक गणना कक्ष में करने के निर्देश भी दिये ।

एक शाम गौ माता के नाम विशाल भजन संध्या का हुआ आयोजन

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू। श्री शिव गौ सेवा भजन मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बेंगलुरु पैलेस मैदान प्रिंसेस में रामधाम खेड़ापा के उत्तराधिकारी संत श्री गोविंद राम शास्त्री एवं किष्किंधा पहाड़ी पर स्थित दुर्गा देवी गौशाला के प्रमुख दासोह रत्न संत ब्रह्मानंद स्वामी के सानिध्य में रविवार को एक शाम गौ माता के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया. राजस्थान से आए हुए प्रसिद्ध भजन कलाकार रमेश माली, लेहरु दास वैष्णव, सोनू सिसोदिया ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी जिससे गोभक्त भाव विभोर होकर देर रात तक आनंद उठाते रहे. कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत मुख्य अतिथि के रूप में एवं राजस्थान पत्रिका बेंगलुरु के संपादकीय प्रभारी कुमार जिवेन्द्र झा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संतों ने अपने प्रवचन में कहा सनातन धर्म ही शाश्वत सत्य है. मुणोत ने गाय की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए अपने वक्तव्य में कहा गौ सेवा हमारा कर्तव्य है एवं अन्नदाता किसान राष्ट्र का स्वाभिमान है. ट्रस्ट के हनुमान माली, मोतीलाल माली एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों एवं दानदाताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन राजू माली ने किया।

गुरु नानक जयंती पर गुरुद्वारों में अखंड पाठ एवं विशेष लंगर का किया गया आयोजन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद। सिख समुदाय के सर्वोच्च गुरु नानक जी की 554 वीं जयंती प्रकाश पर्व के रूप में क्षेत्र के गुरुद्वारों में बड़ी धूमधाम से मनाई। इस दौरान गुरुद्वारों में अखंड पाठ एवं लंगर का आयोजन किया गया। इसी के अंतर्गत गोहद चौराहा के हरगोविंदपुरा पर स्थित गुरुद्वारा पर सैकड़ो सिख समुदाय के श्रद्धालुओं ने 12 नवंबर से 27 नवंबर तक हरगोविंदपुरा में गुरु नानक जयंती को उत्सव के रूप में मनाया। जिसमें पूरे 15 दिन प्रभात फेरी निकालकर गुरुद्वारे में अखंड पाठ का आयोजन हुआ। 27 नवंबर के दिन गुरुद्वारे पर विशेष लंगर का आयोजन किया गया। जिसमें सिख समुदाय के महिला एवं पुरुषों के द्वारा स्वयं लंगर बनाकर सेवा भाव से सभी को प्रसादी के रूप में परोस कर खिलाया गया। यह लंगर पूरे दिन देर रात्रि तक चला, जिसमें हजारों की तादात में सभी धर्म के लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। गुरुद्वारे में अखंड पाठ का आयोजन बाबा जी जग्गा सिंह के द्वारा किया गया। गुरुद्वारे में सिख समुदाय के द्वारा निशान साहिब का चोला बदलकर सेवा की गई। इस दौरान पुरुषों में सरदार मक्खन सिंह पन्नू, रतन सिंह, अवतार सिंह, संतोख सिंह, सतनाम सिंह, कृपाल सिंह, अमर सिंह, महेंद्र सिंह, जुगेंद्र सिंह, महिलाओं में गुरमीत कौर, पलविंदर कौर, मनजीत कौर, सुखविंदर कौर, वीर कौर आदि सम्मिलित रहे।

चुनाव के दौरान आए नहीं और अब सीएम छोड़ नहीं पा रहे बुधनी विधानसभा क्षेत्रः विक्रम मस्ताल शर्मा

बुधनी। बुधनी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे किसान कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री एवं अभिनेता विक्रम मस्ताल शर्मा 'हनुमानजी' ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के लगातार हो रहे बुधनी विधानसभा के दौरों को लेकर कहा है कि मुख्यमंत्री विधानसभा चुनाव के दौरान तो बुधनी में नहीं आए, लेकिन अब वे बुधनी विधानसभा को छोड़ नहीं पा रहे हैं। लगता है कि अब उन्हें अपने कार्यकर्ताओं एवं नेताओं पर विश्वास नहीं हो रहा है, इसलिए वे खुद ही बार-बार फीडबैक लेने के लिए बुधनी विधानसभा क्षेत्र में पहुंच रहे हैं। विक्रम मस्ताल शर्मा 'हनुमानजी' ने कहा है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी के अंदर बैचेनी है। इस बार भाजपा को हार का डर सता रहा है। सबसे ज्यादा डर बुधनी विधानसभा से ही लग रहा है, क्योंकि अब बुधनी विधानसभा की जनता भी क्षेत्र में बदलाव चाहती है, विकास चाहती है, उनका उत्थान चाहती है। आदिवासी अब अपना अधिकार चाहते हैं, जो कि उन्हें पिछले 17 वर्षों में नहीं मिला। हर वर्ग चाहता है कि अब बुधनी विधानसभा में बदलाव हो, इसके लिए जनता ने इस बार अपना मन बदलाव का बना लिया है। उन्होंने कहा कि इस बार प्रदेश में कमलनाथजी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बन रही है। सरकार बनने के बाद प्रदेश में विकास का नया इतिहास लिखा जाएगा। सड़कों पर घूम रही गौ माताओं को आसरा दिया जाएगा। गरीबों को उनका अधिकार दिलाया जाएगा। गांवों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। किसानों का कर्जमाफ करने के साथ ही उनकी फसलों का उचित मूल्य भी दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे खुद भी किसान पुत्र हैं और किसान की व्यथा को समझते हैं, इसलिए इस बार प्रदेश के किसानों के साथ ही गरीबों, महिलाओं, युवाओं को उनका अधिकार दिलाया जाएगा।

डॉ.आर.के.वर्मा को 21 वे नेशनल काम्फ्रेंस 2023 में कॉडियोलॉजी, डायबेटोलॉजी, इसीजी, क्रिटिकल केयर, ईको में फेलोसिप कॉडियो मेटाबोलिक मेडिसिन से नवाजा गया

सीहोर। दिनांक 25, 26 नवम्बर 2023 को आयोजित 21 वे नेशनल काम्फ्रेंस 2023 में कॉडियोलॉजी, डायबेटोलॉजी, इसीजी, क्रिटिकल केयर, ईको में कुषाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में आयोजित भव्य समारोह में डॉ.आर.के.वर्मा मेडिकल स्पेशलिस्ट जिला चिकित्सालय सीहोर को कॉडियो मेटाबोलिक मेडिसिन में फेलोसिप से नवाजा गया। उक्त कान्फ्रेंस में देश के लगभग 650 डॉक्टर सम्मिलित हुए। इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव टूरिज्म शिवशंकर शुक्ला दुनिया के मशहूर कॉडियोलोजिस्ट प्रोफेसर डॉ. पी.सी.मनोरिया भोपाल, चेयरमेन कॉन्फ्रेंस डॉ. व्ही.मोहन डायबोटोलोजिस्ट चित्रई, डॉ.लेखा पाठक मुम्बई, डॉ. पंकज मनोरिया कॉडियोलोजिस्ट एवं ऑर्गनाईजिंग सेकेट्री डॉ.एस.के.पाराशर द्वारा फेलोसिप प्रदान की गई। डॉ.आर.के.वर्मा द्वारा विगत् 25 वर्षों में दी गई स्वास्थ्य सेवाऐं एवं अनेक पेपर प्रजेन्ट करने व कई किताबों में बुक चेप्टर लिखने पर यह अवार्ड दिया गया। इनकी इस उपलब्धि पर बधाई व शुभकामनाऐं प्रेषित करने वालों में प्रमुख रूप से मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी सुधीर ढेरिया, सिविल सर्जन डॉ. प्रवीर गुप्ता एवं साथी चिकित्सक व इष्ट मित्रों ने बधाई दी है। डॉ.आर.के.वर्मा ने बताया कि यह उपलब्धि उनकी धर्मपत्नि डॉ.गीता वर्मा असिटेंट प्रोफेसर चन्द्रशेखर आजाद नोडल पी.जी.कॉलेज के प्रोत्साहन एवं सर्पोट से हुई है व बेटी आदिति एवं बेटा आदित्य जो कि एम.बी.बी.एस. की पढ़ाई कर रहे हैं का सहयोग भी हमेशा रहा है।

सिख समाज ने भक्तिभाव से मनाई श्रीगुरुनानक जयंती, लंगर करने पहुंचे लोग

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जसपाल सिंह अरोरा एवं पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अमीता अरोरा ने दी बधाइयां, शुभकामनाएं

सीहोर। सिख समाज द्वारा श्रीगुरूनानक जयंती भक्तिभाव के साथ ही धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान नगर के गुरूद्वारे में लंगर का आयोजन भी किया गया। इसमें बड़ी संख्या में नगरवासी लंगर करने के लिए पहुंचे। श्रीगुरूनानक जयंती के अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री जसपाल सिंह अरोरा एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अमीता अरोरा ने भी बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने श्रीगुरूनानक जयंती के अवसर पर नगरवासियों से लंगर में पहुंचने की अपील भी की थी। इस दौरान बड़ी संख्या में सिख समाज के महिला, पुरूष, युवाओं सहित नगरवासी भी बड़ी संख्या में लंगर करने के लिए पहुंचे। इससे पहले सुबह गुरूद्वारे में पाठ का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में सिख समाज के महिला पुरूष पहुंचे एवं पाठ का श्रवण किया। शाम को 5 बजे से नगर कीर्तन भी निकाला गया, जो शहर के प्रमुख मार्गों लाल मस्जिद, कोतवाली चौराहा, बड़ाबाजार सहित अन्य मार्गों से होते हुए वापस गुरूद्वारे पहुंचे।

दंदरौआ धाम में कलश यात्रा के साथ शिव महापुराण कथा का आयोजन शुरू

पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा शिव महापुराण कथा का वाचन आज से

उमाकान्त शर्मा दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। दंदरौआ धाम में गुरु महाराज 1008 पुरुषोत्तमदास महाराज महंत बाबा की पुण्य स्मृति में 27वां वार्षिक महोत्सव सोमवार को आयोजित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले द्वारा शिव महापुराण की कथा का वाचन आज मंगलवार से दिन में एक बजे से सायं 5 बजे तक किया जाएगा। इस अवसर पर दंदरौआ धाम में कलश यात्रा का आयोजन किया गया।

सुबह 12 बजे मंदिर परिसर से कलश यात्रा प्रारंभ की गई। शिव महापुराण कथा श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर मंहत रामदास महाराज जी के सानिध्य में कथा पारीक्षित श्रीमती साधना -अखिलेश तिवारी संत समाज के साथ शिव पुराण की पौथी को सिर पर धारण करके चले। बैंडबाजों की धुन पर भगवान श्रीराम और हनुमानजी के भजनों पर थिरकते भक्तों ने संतों के साथ दंदरौआधाम में यात्रा निकाली। दोपहर 3 बजे तक करीब 5 किमी लंबी यात्रा में 151 कलश रखे गए। कथा स्थल पर करीब पांच लाख श्रद्धालुओं के लिए विशाल पंडाल बनाकर तैयार किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा कही जाने वाली शिव महापुराण कथा को सुनने के लिए देशभर से करीब पांच लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। उनके बैठने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कलश यात्रा में यज्ञाचार्य पं. रामस्वरूप शास्त्री, व्यवस्थापक राधिकादास महाराज वृंदावन धाम, रामबरन पुजारी, प्रमोद चौधरी, जलज त्रिपाठी, पवन शास्त्री, डॉ. ओम पचौरी, विनोद दीक्षित एडवोकेट, नरसी दद्दा के साथ अनेक विद्यार्थियों एवं आमजन शामिल रहे।

कलेक्टर एसपी ने लिया व्यवस्था का जायजा-जिला कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव ने सोमवार को दंदरौआ धाम पहुंचकर कथा स्थल का निरीक्षण किया और धाम परिसर में की जा रही तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही महामण्डलेश्वर रामदास महाराज से भी चर्चा की। साथ ही संबंधित अधिकारियों को भी इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं। एसपी ने बताया कि कथा स्थल पर भीड़ को नियंत्रित करने से लेकर पार्किंग सहित सभी माकूल व्यवस्थाएं की गई हैं।

कलेक्टर ने मतगणना कार्य की तैयारी के संबंध में बैठक ली

मतगणना स्थल में सभी आवश्यक व्यवस्था दुरुस्त रखने अधिकारियों को दिए निर्देश, 3 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से आईटीआई परिसर भिण्ड में होगी मतगणना

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 के मतगणना के लिए मतगणना स्थल आईटीआई परिसर भिण्ड में आवश्यक व्यवस्था हेतु अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कर्मचारी व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, परिणाम सेट की तैयारी, संकलन, सामग्री व्यवस्था, संचार व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, पेयजल एवं साफ सफाई, साउंड सिस्टम, वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी, स्वल्पाहार एवं भोजन व्यवस्था, टेंट एवं बैठक व्यवस्था, लेबर कार्य व्यवस्था, कंप्यूटर स्कैनर प्रिंटर फोटोकॉपी मशीन इत्यादि की व्यवस्था, उद्घोषक, डाक संबंधी, पहचान पत्र तैयार करना, अग्निशमन और चिकित्सा सुविधा आदि बुनियादी आवश्यक व्यवस्था के संबंध में चर्चा की गई।

इस दौरान सीईओ जिला पंचायत मनोज सरियाम,अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजकुमार खत्री एवं समस्त आरओ, एआरओ, डिप्टी कलेक्टर,डीआईओ (एनआईसी), डीजीईएम,एजीईएम, नोडल ईवीएम उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने बताया कि 3 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से आईटीआई परिसर भिण्ड में मतगणना होगी। सभी अधिकारी मतगणना स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्था दुरुस्त रखने एवं सभी तैयारियां पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विधानसभा निर्वाचन की मतगणना के लिए नियत स्थल पर मोबाइल का उपयोग वर्जित रहेगा। मतगणना स्थल पर मतगणना कार्य में संलग्न सभी अधिकारी/कर्मचारी, अभ्यर्थी, निर्वाचन अभिकर्ता एवं गणना अभिकर्ताओं को मोबाइल साथ ले जाना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।

सिन्धी चौराहा को वैध बटुक प्रसाद त्रिपाठी चौक का नामकरण करने की मॉग की धर्मपरिवार ने

पुष्पांजली टुडे

रीवा। नगर में गणेश उत्सव एवं विजयादशमी उत्सव के साथ धार्मिक उत्सवधर्मिता की परम्परा को आगे ब?ाने वाले हिन्दू उत्सव समिति एवं नगर विजयादशमी उत्सव समिति के संस्थापक स्व0 पं0 वैद्य बटुक प्रसाद त्रिपाठी को उनकी अगले वर्ष माह अगस्त में आने वाली 75वीं वर्षगांठ पर उनके निवास स्थल श्री राममंदिर के समीप सिन्धी चौराहे का नामकरण उनके नाम से किये जाने की मॉग धर्मपरिवार के आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी के साथ मार्गदर्शक डॉ0 सी0बी0शुक्ला, डॉ0 के0के0 परौहा, बी0के0 निर्मला, उपाध्यक्ष रामसखा यादव, महासचिव सुरेश विश्नोई, युवा शाखा के अध्यक्ष सुमित मॉजवानी, संरक्षक संजय तिवारी मुन्नू, संयोजक रामकृष्ण अग्रवाल, उपाक्ष राजेश साहू महिला शाखा अध्यक्ष प्रज्ञा त्रिपाठी, संरक्षक संतोषी गुप्ता, धर्मपरिवार के सह आजीवन संरक्षक सुनील अग्रवाल सहित तमाम पदाधिकारियों ने की है। अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू ने नगर निगम, जिला प्रशासन से ऐसे महान व्यक्तित्व एवं कृतित्व के धनी महान धर्म प्रणेता स्व0 श्री त्रिपाठी को सच्ची श्रद्धांजली देने पूरा सहयोग देने की प्रार्थना की है। बैसे भी सिन्धी चौराहा कोई ऐसा नाम नही है, जिसे बदला ना जा सके। अगले वर्ष 17 अगस्त से उनका जन्म सप्ताह मनाये जाने का निर्णय धर्मपरिवार ले चुका है। आशा है इसमें सभी नगर वासियों का सहयोग प्राप्त होगा।

निर्माणाधीन सिविल लाइन्स पार्क का नामकरण

पूर्व सांसद स्व. चन्द्रमणी त्रिपाठी के नाम किया जाये-मांजवानी

पुष्पांजली टुडे

रीवा। जुझारू छात्र नेता, दूरदर्शी एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के कट्टर अनुयायी विंध्य क्षेत्र के भाजपा के प्रथम सांसद स्व0 चन्द्रमणी त्रिपाठी को उनके कृतित्व एवं प्रेरक व्यक्तित्व के लिये कभी भुलाया नही जा सकता है, लेकिन उनको वो सम्मान मरणोपरांत नही दिया गया जिसके लिये वो महान व्यक्ति पात्र रहा। अब इसके लिये हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार एवं तमाम सामाजिक संगठनों वं गणमान्य नागरिकों ने पहल की है। वर्तमान में निर्माणाधीन सिविल लाइन्स पार्क का नामकरण पूर्व सांसद स्व0 चन्द्रमणी त्रिपाठी के नाम किये जाने धर्मपरिवार के युवा शाखा अध्यक्ष सुमित मांजवानी ने आवाज उठायी है। इस ऐतिहासिक पहल का समर्थन धर्मपरिवार के आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी, मार्गदर्शक डॉ0 सी.बी. शुक्ला, डॉ0 के.के. परौहा, बी.के. निर्मला उपाध्यक्ष रामसखा यादव, सुरेन्द्र मिश्रा भितरी, महासचिव सुरेश विश्नोई, युवा शाखा संरक्षक संजय तिवारी मुन्नू, संयोजक रामकृष्ण अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेश साहू, महिला शाखा संरक्षक संतोषी गुप्ता, नगर उपाध्यक्ष राकेश आसवानी, समाज सेवी सुशील कुंगवानी, सिंधु पराग के संपादक विजय थावानी आदि ने म0प्र0 शासन, जिला प्रशासन, नगर निगम आदि के साथ रीवा संसाद जनार्दन मिश्रा, विधायक एवं जनसंपर्क मंत्री राजेन्द्र शुक्ला से पूर्व सांसद स्व0 श्री त्रिपाठी को समुचित सम्मान दिलाये जाने की पहल करते हुये सिविल लाइन्स पार्क का नामकरण उनके नाम से किये जाने का आग्रह किया है जिसके लिये विंध्य की जनता उनकी ऋणी रहेगी।

ईव्हीएम की सीलिंग का प्रशिक्षण संपन्न

पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना 3 दिसंबर को प्रातः 8 बजे से शासकीय इंजीनियरिंग कालेज रीवा में होगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग मतगणना कक्ष बनाये गये हैं। इनमें प्रत्येक चक्र में 14 टेबुलों में मतगणना की जायेगी। प्रत्येक चक्र के गणना के बाद ईव्हीएम मशीनों को पृथक कक्ष में रखा जायेगा तथा प्रत्येक मशीन की सीलिंग की जायेगी। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार सीलिंग के लिए तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ईव्हीएम वेयर हाउस में प्रशिक्षण दिया गया। विधानसभा क्षेत्र में 10-10 रोजगार सहायकों का दल सीलिंग के लिए तैनात किया गया है। इन्हें मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मशीन के सीलिंग का विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया।

कड़ी सुरक्षा के बीच इंजीनियरिंग कालेज में 3 दिसम्बर को होगी मतगणना जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर प्रतिभा पाल ने किया निरीक्षण

पुष्पांजली टुडे

रीवा। तथा मऊगंज जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 3 दिसम्बर को इंजीनियरिंग कालेज रीवा में होगी। मतगणना प्रातः 8 बजे से आरंभ होगी। मतगणना केन्द्र में सुरक्षा के क? प्रबंध रहेंगे। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिभा पाल ने बताया कि उम्मीदवारों तथा प्रेक्षकों की उपस्थिति में प्रातः 7.30 बजे स्ट्रांग रूम खोले जायेंगे। आज कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल,, नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन,,स्क्र रीवा विवेक सिंह और ष्टस्क्रशिवाली चतुर्वेदी इंजिनियरिंग कालेज पहुंच कर सुरक्षाओ सहित व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

स्ट्रांग रूम से मतगणना कक्ष तक ईव्हीएम ले जाने के लिए पृथक से दल तैनात किया गया है। अधिकारियों की निगरानी में ईव्हीएम मतगणना कक्ष तक जायेंगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग मतगणना कक्ष बनाए गए हैं। मऊगंज विधानसभा क्षेत्र की मतगणना दो कक्षों में होगी। शेष सभी विधानसभा की मतगणना के लिए विधानसभावार एक कक्ष निर्धारित किया गया है।प्रत्येक मतगणना कक्ष में 14 टेबुलों में मतगणना होगी। प्रत्येक चक्र में 14 मतदान केन्द्रों की गणना की जाएगी। मतगणना केन्द्र में केवल वैध प्रवेश पत्रधारियों को ही प्रवेश दिया जाएगा।

इनकोर पोर्टल से मिलेगी मतगणना की तत्काल जानकारी

पुष्पांजली टुडे

रीवा। निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना दिवस में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की मतगणना की चक्रवार जानकारी उम्मीदवारों, राजनैतिक दलों तथा आमजनता को उपलब्ध कराने के लिए इनकोर पोर्टल की व्यवस्था की गयी है। मतगणना केन्द्र में विधानसभावार तैनात अधिकारी एवं कम्प्यूटर आपरेटर प्रत्येक चक्र के मतगणना की मतदान केन्द्रवार जानकारी इनकोर पोर्टल में दर्ज करेंगे। कलेक्टर कार्यालय के जिला नियंत्रण केन्द्र कक्ष में इनकोर पोर्टल में गणना परिणाम फीडिंग का फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न हुआ।

उल्लेखनीय है कि इनकोर पोर्टल में सबसे पहले ईटीबीपीएस से प्राप्त डाक मतपत्रों की जानकारी प्रातः 8 बजे से दर्ज की जाएगी। इसके लिए जारी प्रपत्र 13 ए तथा 13 बी को स्कैन करके पोर्टल में अपलोड किया जाएगा। ईटीपीबीएस डाक मतपत्र के सभी प्रपत्र अपलोड करने के बाद रिटर्निंग आफीसर द्वारा उन्हें मान्य कर दर्ज किया जाएगा। इनकोर पोर्टल में जानकारी दर्ज करने के लिए रिटर्निंग आफीसर को लॉगिन की सुविधा दी गई है। इसमें प्रत्येक चक्र की मतगणना के बाद मतगणना टेबिल क्रमांक के अनुसार प्रत्येक उम्मीदवार को प्राप्त मतों की संख्या दर्ज की जाएगी। इसके बाद एक चक्र की गिनती समाप्त होने पर दर्ज पोर्टल में मतों की संख्या का प्रिंट आउट लेकर उसे रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के उपरांत रिटर्निंग आफीसर द्वारा मान्य किए जाने के बाद उसे पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाएगा। यदि किसी टेबिल की ईव्हीएम की किसी भी कारण से मतों की गणना नहीं की जा रही है तो उसमें कुछ भी दर्ज नहीं किया जायेगा। प्रशिक्षण में बताया गया कि यदि किसी टेबिल के मतों की जानकारी दर्ज करने में गलती हो गई है तथा आगे के चक्रों की मतगणना के परिणाम दिए जा चुके हैं तो रिटर्निंग आफीसर एडिट आप्शन से सही जानकारी दर्ज कर सकेंगे लेकिन जिस चक्र में गलती हुई है उसके बाद के सभी चक्रों की जानकारी तथा परिणाम पुनः देने होंगे। मतगणना समाप्त होने के बाद इसी पोर्टल से उम्मीदवार के लिए प्रमाण पत्र भी जनरेट होगा। रिटर्निंग आफीसर के हस्ताक्षर होने के बाद इसे स्कैन करके पोर्टल में अपलोड किया जायेगा तथा रिटर्निंग आफीसर विजेता उम्मीदवार को प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह सहित सभी रिटर्निंग आफीसर, सहायक रिटर्निंग आफीसर, जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस आशीष दुबे तथा इनकोर टेबुलेशन कार्य में लगे अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

वजन घटाने में बेहद असरदार है लहसुन, इन 5 तरीकों से करें इसे डाइट में शामिल

इन दिनों कई लोग अपने बढ़े हुए वजन से परेशान हैं। ऐसे में वजन घटाने के लिए लोग वर्कआउट से लेकर डाइट तक कई उपाय अपनाते हैं। हालांकि आप लहसुन की मदद से भी अपना वजन कम कर सकते हैं। अगर आप भी अपने वजन को घटाने की कोशिश में लगे हुए हैं तो आइए जानते हैं इसे डाइट में शामिल करने का तरीका-

तेजी से बदलती लाइफस्टाइल का असर हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी देखने को मिलता है। इन दिनों लोगों पर लगातार काम का प्रेशर बढ़ता जा रहा है, जिसकी वजह से वह अपना ज्यादातर समय ऑफिस में काम करते हुए बिताते हैं। ऐसे में दिनभर अपने लैपटॉप या कंप्यूटर के आगे बैठे रहने की वजह से लोग मोटापे का शिकार होने लगते हैं। मोटापा एक गंभीर समस्या है, जो बीते कुछ समय से दुनियाभर में चिंता का विषय बना हुआ है। यह कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की वजह भी बन सकता है।ऐसे में जरूरी है कि वजह से इसे कंट्रोल किया जाए, ताकि इसके दुष्परिणामों से बचा जा सके। लोग इन दिनों अपना वजन कम करने के लिए कई उपाय अपनाते हैं। कुछ लोग जहां वर्कआउट या जिम को सहारा लेते हैं, तो वहीं कुछ अपनी डाइट में बदलाव कर वेट लॉस करते हैं। लहसुन भी आपका वजन घटाने में काफी मददगार होता है। इस बारे में जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि कैसे लहसुन वजन घटाने में मदद कर सकता है। अगर आप भी अपना वेट लॉस करना चाहते हैं, तो इन तरीकों से इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

गार्लिक एवोकाडो टोस्ट

अगर आप लहसुन को टेस्टी तरीके से अपनी डाइट का हिस्सा बनाना चाहते हैं, तो गार्लिक एवोकाडो टोस्ट एक बढ़िया विकल्प साबित होगा। इसे बनाने के लिए पके हुए एवोकाडो को होल ग्रेन टोस्ट पर मैश करें और उस पर ऊपर से कद्दूकस किया कच्चा लहसुन डालें। एवोकाडो की क्रीमी लेयर लहसुन के साथ मिलकर आपके नाश्ते को एक स्वादिष्ट ट्विस्ट देगी।

गार्लिक ग्रीन टी

ग्रीन टी लोग अक्सर वेट लॉस के लिए अपनी डाइट में शामिल करते हैं। आप इसमें लहसुन मिलाकर इसे एक अलग ट्विस्ट दे सकते हैं। कुचली हुई कुछ लहसुन की कलियों को गर्म पानी में डुबाकर इसमें ग्रीन टी मिलाकर आप वेट लॉस टी तैयार कर सकते हैं। आप चाहें तो इसमें स्वाद के लिए थोड़ा सा शहद या अदरक भी मिला सकते हैं।

लेमन गार्लिक वॉटर

अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं, तो अपने दिन की शुरुआत एक एक गिलास नींबू-लहसुन पानी यानी लेमन गार्लिक वॉटर से करें। इसके लिए एक गिलास में आधा नींबू का रस निचोड़ें और फिर उसमें बारीक कटा हुआ कच्चा लहसुन डालें और ऊपर से गर्म पानी मिलाएं। इसे पीने से आपका मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है और पाचन भी भी अच्छा होता है।

गार्लिक योगार्ट डिप

आप लहसुन को डिप के रूप में भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। आप वजन कम करने के लिए गार्लिक योगार्ट डिप की मदद ले सकते हैं। इसके बनाने के लिए दही में किसा हुआ अदरक मिलाएं और फिर इसे किसी के साथ भी आसानी से खा सकते हैं।

गार्लिक स्मूदी

अगर आप स्मूदी के साथ अपने दिन की शुरुआत करते हैं, तो वेट लॉस के लिए इसमें कच्चे लहसुन की कली भी मिला सकते हैं। आप बैरीज, केले और पालक जैसे फलों के साथ लहसुन को मिलाकर गार्लिक युक्त स्मूदी तैयार कर सकते हैं। यह पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ ही आपका मेटाबॉलिज्म बेहतर करेगी और वेट लॉस में भी मदद करेगी।

गरीबों को मुफ्त अनाज देने से चुनाव जीतने की संभावना नहीं

दो प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं-देश के 80 करोड़ से अधिक गरीब लोगों के अनुमान का स्रोत क्या है जो सरकार द्वारा प्रदान किया जाने वाला बेहद सस्ता राशन भी नहीं खरीद सकते हैं और सरकार को क्या लगता है कि ऐसे लोगों की संख्या 2028 तक स्थिर बनी रहेगी। इसका उत्तर अगले साल जून से पहले लोकसभा और सिक्किम और संभवतः जम्मू-कश्मीर में चुनाव लड़ने के दबाव में हो सकता हैकेन्द्र सरकार की ओर से 2020-21 में कोविड महामारी के दौरान लंबी लॉक डाऊन अवधि में देश में गरीबों और निम्न आय वर्ग के 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराना बहुत सोच-समझकर किया गया था। इस सुविधा को दो बार बढ़ाया गया था, आखिरी बार 1 जनवरी, 2023 को एक वर्ष की अवधि के लिए। पिछले विस्तार का संबंध संभवतःनागालैंड,त्रिपुरा, मेघालय, और कर्नाटक में चुनावों से अधिक था। अब वर्तमान पांच राज्यों के चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की कि देश की लगभग 60प्रतिशत आबादी अर्थात 80 करोड़ से अधिक लोगों के लिए लगभग सालाना 15,000 करोड़ रुपये के सरकारी खर्च पर मुफ्त राशन (खाद्यान्न) योजना फिर से पांच साल के लिए, यानी 2028 तक बढ़ा दी जायेगी।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में एक चुनावी रैली में की गई घोषणा बेतुकी लगती है। यह सरकार के स्वयं के वार्षिक आर्थिक विकास के दावों और देश के बहुआयामी गरीबों की पंजीकृत संख्या में वार्षिक ऑन-पेपर गिरावट को चुनौती देता है। मुफ्त खाद्यान्न योजना के तहत, भारत में गरीबों की आबादी 2028 के अंत तक 80 करोड़ से अधिक स्थिर रहने की उम्मीद है। यह संख्या इस साल जुलाई में सरकार की अपनी रिपोर्ट के विपरीत है, जिसमें कहा गया था कि लगभग 13.5 करोड़ लोग या इसके करीब लोग गरीब हैं। दावा किया गया था कि मार्च 2021 तक पांच वर्षों में भारत की 10 प्रतिशत आबादी गरीबी से बच गई। गवर्नमेंट थिंक टैंक नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा, %पोषण में सुधार, वर्षों की स्कूली शिक्षा, स्वच्छता और खाना पकाने के ईंधन ने गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इसके अलावा, नीति आयोग की रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। अध्ययन में कुपोषण, शिक्षा और स्वच्छता जैसे 12 संकेतकों के आधार पर संयुक्त राष्ट्र के बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) का उपयोग किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, गरीबी में रहने वाली आबादी का प्रतिशत 2015-16 में 25 प्रतिशत से गिरकर 2019-21 में 15 प्रतिशत हो गया।% देश में बहुआयामी गरीबों की संख्या में 9.89 प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जो 2015-16 में 24.85 प्रतिशत से बढ़कर 2019-21 में 14.96 प्रतिशत हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में सबसे तेजी से गिरावट देखी गई जो 32.59 प्रतिशत से घटकर 19.28प्रतिशत हो गई।

36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और 707 प्रशासनिक जिलों के लिए बहुआयामी गरीबी अनुमान प्रदान करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि बहुआयामी गरीबों के अनुपात में सबसे तेज कमी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, ओडिशा और राजस्थान राज्यों में देखी गई। क्रिज़ली, ग्लोबल हंगर इंडेक्स-2023 में भारत को 125 देशों में से 111वें स्थान पर रखा गया था, जिसे सरकार ने गलत और दुर्भावनापूर्ण इरादे से खारिज कर दिया था। क्या ग्लोबल हंगर इंडेक्स ने भारत की गरीबी का आंकड़ा देश की मुफ्त खाद्यान्न योजना पर आधारित किया है?

दो प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं-देश के 80 करोड़ से अधिक गरीब लोगों के अनुमान का स्रोत क्या है जो सरकार द्वारा प्रदान किया जाने वाला बेहद सस्ता राशन भी नहीं खरीद सकते हैं और सरकार को क्या लगता है कि ऐसे लोगों की संख्या 2028 तक स्थिर बनी रहेगी। इसका उत्तर अगले साल जून से पहले लोकसभा और सिक्किम और संभवतः जम्मू-कश्मीर में चुनाव लड़ने के दबाव में हो सकता है। संयोग से मिजोरम में 7 नवंबर को, छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवम्बर को, मध्यप्रदेश में 17 नवम्बर को चुनाव हो गये। राजस्थान में 25 और तेलंगाना में 30 नवम्बर को चुनाव होंगे। राजनीतिक रूप से केन्द्र सरकार का नेतृत्व कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए इस कैलेंडर वर्ष के बाद मुफ्त खाद्यान्न योजना को रोकने का समय काफी मुश्किल पैदा करने वाला हो सकता है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि हाल के दिनों में मुफ्त राशन से भाजपा के लिए मतपेटियां नहीं भरीं। लेकिन, इसके बाहर होने से भाजपा काफी अलोकप्रिय हो सकती है। हाल ही में पार्टी को कर्नाटक में बड़ा झटका लगा था। भाजपा फिलहाल भारत के 28 राज्यों में से सिर्फ 10 में ही सत्ता पर काबिज है।ज़ाहिर है, सन् 2020 से 80 करोड़ से अधिक लोगों के लिए मुफ्त खाद्यान्न भाजपा को चुनाव जीतने में विशेष मदद नहीं कर रहा है। ऐसे खाद्यान्न का वितरण राज्य सरकारों के अंतर्गत आने वाली राशन दुकानों के माध्यम से किया जाता है। गरीबों और अशिक्षितों को इस बात की कोई चिंता नहीं है कि राशन की दुकानों पर मुफ्त अनाज का बिल कौन भरता है। मुफ्त राशन की आपूर्ति का श्रेय राज्य लेते हैं। इस प्रणाली ने खाद्यान्नों की खरीद और वितरण में शामिल राज्य मशीनरी को बुरी तरह से भ्रष्ट कर दिया है। राजस्थान में कांग्रेस सरकार की मुफ्त राशन किट योजना में री भ्रष्टाचार का आरोप खुद भाजपा ने लगाया है। चुनावी राज्य राजस्थान की राज्य विधानसभा में विपक्ष के उपनेता, भाजपा के सतीश पूनिया ने हाल ही में आरोप लगाया कि अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में भ्रष्टाचार को संस्थागत बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुफ्त राशन किट योजना भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की एक नियोजित साजिश है।पश्चिम बंगाल में राशन में बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। इसने अब तक अनुमान लगाया है कि पिछले 10 वर्षों में भ्रष्टाचार का स्तर लगभग 1,000 करोड़ रुपये है। ईडी पहले ही राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री, ज्योति प्रियमल्लिक (अब वन मंत्री) को उनके करीबी सहयोगी, एक बड़े चावल मिल मालिक बकीबुर रहमान के साथ गिरफ्तार कर चुकी है। इसने राज्य में 300 से अधिक फर्जी राशन दुकानों को सूचीबद्ध किया है। कथित तौर पर राशन सामग्री को खुले बाजार में बेचने से पहले उन फर्जी राशन दुकानों के लिए केंद्र सरकार की एजेंसियों से एकत्र किया जाता है। पश्चिम बंगाल में 21,000 से अधिक पंजीकृत राशन दुकानें हैं। भ्रष्टाचार खरीद स्तर पर शुरू होता है और डीलरशिप सिस्टम, राशन कार्ड जारी करने और कार्डधारकों को राशन वितरण के माध्यम से जारी रहता है।बहुत कम लोग जानते हैं कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में भ्रष्टाचार का स्तर क्या है, जहां 73,000 से अधिक पंजीकृत राशन दुकानें हैं, महाराष्ट्र में 50,000 से अधिक, बिहार में 44,000 से अधिक, आंध्र प्रदेश में 43,000 से अधिक, तमिलनाडु में 32,000 से अधिक, ओडिशा में 28,000 से अधिक, राजस्थान में 22,000 से अधिक, कर्नाटक में 20,000 से अधिक, और मध्यप्रदेश में 20,000 से अधिक। तमिलनाडु में 90 प्रतिशत ग्रामीण आबादी राशन की दुकानों का उपयोग करती है, जबकि पश्चिम बंगाल में केवल 35प्रतिशत ग्रामीण आबादी ऐसा करती है। तमिलनाडु की लगभग 94 प्रतिशत राशन दुकानें सहकारी समितियों द्वारा चलाई जाती हैं। पश्चिम बंगाल में, निजी डीलर सरकारी विभाग और लाभार्थियों के बीच मुख्य संबंध हैं। डीलर पॉइंट (राशन की दुकानों) के माध्यम से, लाभार्थी राशन कार्ड की श्रेणी और योजनाओं के आधार पर अपनी पात्रता के अनुसार राशन लेते हैं। डीलर कई कारकों के आधार पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किये गये लाइसेंस पर काम करते हैं - जैसे मौजूदा डीलरों के साथ जुड़े कार्डों की संख्या, भूगोल और सेवा के तहत क्षेत्र की पहुंच आदि। विभाग, डीलर, खरीदार और आपूर्तिकर्ता एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

माना जाता है कि मुफ्त खाद्यान्न वितरण प्रणाली कई स्तरों पर सिस्टम संचालकों के बीच भ्रष्टाचार को और बढ़ावा दे रही है। भ्रष्टाचार का स्तर इतना गहरा है कि राज्य सरकारों की मदद के बिना राष्ट्रीय सरकार के लिए अकेले ही स्थिति से निपटना संभव नहीं है। ब्रिटिश-प्रवर्तित राशन प्रणाली 1940 के दशक में बंगाल के अकाल के बाद शुरू हुई। देश भर में खाद्य आपात स्थितियों से निपटने के लिए सार्वजनिक कानून 480 के तहत अमेरिकी खाद्य सहायता की मदद से 1950 और 1960 के दशक के मध्य में इसका देश भर में विस्तार हुआ। हालांकि हरित क्रांति ने धीरे-धीरे स्थिति में सुधार किया और भारत एक महत्वपूर्ण खाद्यान्न निर्यातक के रूप में उभरा, गरीबों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राशन प्रणाली का विस्तार जारी रहा।दुर्भाग्य से सरकार ने इसके उचित कियान्वयन पर बहुत कम ध्यान दिया।

संपादकीय

कानून को फिर ठेंगा दिखाया राम रहीम ने

विवादास्पद धर्मगुरु और डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम ने एक साल में पांचवी बार पैरोल हासिल कर एक बार फिर से बता दिया है कि रसूखदारों के समक्ष कानून की कोई बिसात नहीं है। गुरमीत राम रहीम इंसान के नाम से जाना जाने वाला यह धर्मगुरु एक रेप मामले में रोहतक की सुनारिया जेल में बंद था। उसे 21 दिनों की पैरोल मिली है।

चार दिन पहले उसकी ओर से पैरोल की अपील की गई थी तथा वह मंगलवार की दोपहर जेल से निकलकर उत्तरप्रदेश के बागपत के बरनावा आश्रम में पैरोल के दिन काटने के लिये रवाना हो गया। उसे डीएसपी के नेतृत्व में एक पुलिस टीम बाकायदा बरनावा आश्रम तक सुरक्षित छोड़कर आयेगी। राम रहीम को जेल में लेने के लिये उसके कुछ शिष्य आये थे जो उनके साथ ही रहेंगे। स्वाभाविक है कि फरलो मंजूर होने के बाद राम रहीम के अनुयायियों और समर्थकों में खुशी की लहर है। यह भी बताया जाता है कि बरनावा आश्रम में उसके आने की भव्य तैयारियां कर ली गई हैं।उल्लेखनीय है कि राम रहीम को अपनी दो शिष्याओं के साथ बलात्कार करने एवं एक पूर्व डेरा प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के आरोप में 20 वर्ष की सुनाई गई है। अगस्त 2017 में पंचकूला की एक विशेष सीबीआई अदालत ने उसे दोषी करार दिया था। उनके आश्रम को लेकर अनेक तरह की बातें कही जाती हैं लेकिन कहते हैं कि सारी बातें उसके प्रभाव व भय से कभी सामने नहीं आ पाईं।

वैसे राम रहीम को फरलो पर बाहर आने के मसले को हरियाणा 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव के साथ भी जोड़ा जा रहा है। राम रहीम का एक बड़े वर्ग पर अच्छा-खासा प्रभाव है जो उसके अपराधी साबित होने के बाद भी कम नहीं हुआ है। कहते हैं कि हरियाणा की सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी पहले भी उसकी मदद अपने प्रचार के लिये अप्रत्यक्ष रूप से लेती रही है। इसके एवज में ही राम रहीम पर यह मेहरबानी होती है। उसे सबसे पहले 30 दिनों की पैरोल 17 जून 2022 को मिली थी। उस दौरान भी वह बरनावा आश्रम में रहा था। फिर 15 अक्टूबर को उसे दूसरी बार पैरोल मिली थी। 21 जनवरी, 2023 को तीसरी बार उसे 40 दिनों के लिये फरलो मिली। पैरोल पूरी कर वह तीन मार्च को वापस सुनारिया जेल चला गया था। चौथी बार फिर 20 जुलाई को 30 दिनों की पैरोल प्राप्त कर वह फिर अपने बरनावा आश्रम पहुंचा था।यह सचमुच आश्चर्यजनक है कि ऐसे जघन्य अपराधों के लिये सजा काट रहा एक व्यक्ति कैसे मनमर्जी से पैरोल पा लेता है जबकि देश की जेलों में सजा काट रहे लाखों लोगों को एक दिन की छुट्टी पाना तक मुहाल हो जाता है- चाहे किसी के घर में मौत हुई हो या किसी का नज़दीकी सख्त बीमार पड़ा हो जो उसका मुंह आखिरी बार देखने के लिये तरस रहा हो। जेलों में बन्द बहुत से ऐसे लोग भी होते हैं जिन्हें सज़ा तक नहीं सुनाई गई होती और वे विचाराधीन यानी अंडर ट्रायल कैदी होते हैं। इतना ही नहीं, नियमों के अनुसार उनके परिजन या मित्र उनसे दो-चार मिनटों के लिये मिलने के लिये अवसर तक नहीं पा सकते क्योंकि मुलाकात कराने की प्रक्रिया बेहद दुरुह है। इसके अलावा सम्पूर्ण न्यायालयीन व कानूनी प्रक्रिया में फैला भयानक भ्रष्टाचार गरीबों व अभावग्रस्त लोगों को अपने अधिकार का लाभ उठाने से तक रोक देता है।भारत की किसी भी जेल के बाहर यह दृश्य आम होता है कि हजारों की संख्या में लोग जेलों में बन्द अपने किसी नज़दीकी से मिलने के लिये घंटों इंतज़ार करते रहते हैं। या तो उनकी मुलाकात हो ही नहीं पाती या फिर उन्हें बार-बार जेल के दरवाजों पर आना पड़ता है। केवल मुलाकात करने का आदेश पाना या फिर उसका कियान्वयन करा लेना अपने आप में एक बड़ी कठिन चुनौती होती है। इतना ही नहीं, बहुत छोटी सी जमानत राशि के अभाव में लाखों गरीब, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, निरक्षर, एकाकी लोग बगैर सजा मिले कई-कई साल जेलों की कोठरियों में गुजार देते हैं।ऐसे में राम रहीम जैसों को चाहे जब पैरोल मिल जाना आश्चर्यकारी से अधिक दुखद ही कहा जा सकता है। जिस गति से उनकी अस्थायी मुक्ति के दस्तावेज़ एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय और एक टेबल से दूसरी टेबल की यात्रा करते हैं, वह बतलाता है कि देश में कुछ लोगों के लिये एक कानून है तो अन्य लोगों के लिये दूसरा कानून। कानून के समक्ष समानता का अधिकार यहां पानी मांगता नज़र आता है। हालांकि इसका बचाव करने वाले कहते हैं कि जो भी हो रहा है वह विधिसम्मत ही होता है। सवाल तो यह है कि सुविधाहीन एवं सामान्यजनों के लिये विधिप्रदत्त अधिकार कहां हवा हो जाते हैं। व्यवस्था वास्तविक रूप से ज़रूरतमंदों को ऐसी राहत कभी नहीं दे पाती।

कांग्रेस के हाथ में लौटा 'सामाजिक न्याय' का अस्त्र

कुछ समय से सामाजिक न्याय का मुद्दा फिर से कांग्रेस के हाथों में आ गया है जिसे पिछले दिनों हुए कर्नाटक विधानसभा के चुनावों में सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश के हो चुके तथा राजस्थान व तेलंगाना के होने जा रहे विधानसभा चुनावों में (नतीजे 3 दिसंम्बर को) जातिगत जनगणना के माध्यम से लोगों को अवसर देने की गारंटी है।

10 वर्षों की धमाचौकड़ी के बाद अगर भारतीय जनता पार्टी और उनके सर्वेसर्वा बन बैठे नरेन्द्र मोदी ढलान पर दिख रहे हैं तो उसका कारण है कांग्रेस के हाथों में लौट आया सामाजिक न्याय का वह अस्त्र, जिसके बल पर उसने देश की तस्वीर व तकदीर को संवारा है। भीषण गरीबी, निरक्षरता, बदहाली, असमानता और अनेकानेक काली परतों को चीरकर एक आत्मनिर्भर व चमकदार भारत का निर्माण इसलिये हो सका क्योंकि यह मुद्दा व आजादी का मसला अंतर्गुम्फित थे। स्वतंत्रता की लड़ाई में सम्प्रभुता बेशक महत्वपूर्ण थी, लोगों के सशक्तिकरण की आकांक्षा कहीं अधिक बलवती थी। स्वतंत्रता का घोषित उद्देश्य स्वाभाविक तौर पर भारत की विदेशी साम्राज्यवाद से मुक्ति का था, पर महात्मा गांधी की अगुवाई में कांग्रेस द्वारा लड़े गये आजादी के आंदोलन का प्रमुख लक्ष्य करोड़ों लोगों को सामाजिक न्याय दिलाना था।

सामाजिक न्याय ही वह आकर्षण था जिसके कारण भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल राजा-महाराजाओं, जमींदारों या कुलीन वर्ग का होकर नहीं रह गया था। उन्होंने भी उसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था जो वंचित, शोषित, गरीब और कमजोर थे। गांधीजी ने अपने रहन-सहन, भाषणों, लेखों तथा कांग्रेस की बैठकों में इस बात को साफ कर दिया था कि उनके लिये आजादी के क्या मायने हैं और किनके लिये वे अपने जीवन को स्वाहा कर रहे हैं। जॉन रस्किन की जिस किताब %अन टू दिस लास्ट ने उन्हें रात भर सोने नहीं दिया तथा जिसे पढ़कर उन्होंने सर्वोदय को अपना तिलस्मा तैयार कर देश की सरकारों व संस्थाओं को दिया, वही सर्वोदय की भावना एक तरह से लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के रूप में पल्लवित होता दिखता है। उनके विचारों की शब्द देह कही जाने वाली हन्द स्वराजपुस्तक में उनका यही मंत्र स्वतंत्र भारत की सरकारों के लिये कम्पास की तरह काम करता रहा और वही सामाजिक न्याय की गांधी की अवधारणा है।

देश स्वतंत्र होने के बाद कांग्रेस की तमाम सरकारों एवं उनके प्रमुख प्रधानमंत्रियों ने देश को इस मुद्दे पर कभी भी निराश नहीं किया। समाजवाद से प्रभावित पहले प्रधानमंत्री पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने करोड़ों किसानों को घोर गरीबी से बाहर निकालने के लिये कृषि को संवारने का बीड़ा उठाया। बड़े बांधों और नहरों के जाल बिछाने के अलावा खाद कारखाने, कृषि सम्बन्धी शोध व अध्ययन को बढ़ावा दिया। किसानी के काम में छोटी जोत के व सीमांत किसानों, खेतिहर मजदूरों की संख्या अधिक थी और हाथ से काम करने वाले ये सारे समाज के निचले वर्गों से ही आते थे। अब भी काफी कुछ वैसा ही है। इसके बाद उल्लेखनीय काम किया इंदिरा गांधी ने। उनकी लाई गरीबी उन्मूलन योजना, 20 सूत्री कार्यक्रम, हरित क्रांति, साहूकारी व्यवस्था का अंत, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, प्रीवी पर्स की समाप्ति आदि जैसे कार्यक्रम भी प्रकारांतर से सामाजिक न्याय के ही स्वरूप थे।

बीच में आए लालबहादुर शास्त्री को उतना वक्त ही न मिल पाया परन्तु उन्होंने इस काम को कहीं रुकने नहीं दिया। 1984 में आये राजीव गांधी के बारे में सोचा गया कि वे विदेशी मानसिकता में पले-बढ़े हैं इसलिये देश का कहीं अधिक पश्चिमीकरण होगा जिसमें यह मुद्दा खूंटी पर टंग जायेगा। इसके विपरीत उन्होंने पंचायती राज को मजबूत किया, नवोदय स्कूल खोले, भारत को डिजीटल बनाने में मदद की, मताधिकार की आयु को घटाया। इन सबके कारण निचले तबके के लोगों के लिये बगैर भेद-भाव अवसरों के नये-नये दरवाजे खुले। आधुनिक व्यवस्था के बीच में भी उनके समय सामाजिक न्याय ने अपनी जगह नहीं छोड़ी थी।1991 में जब पीवी नरसिंह राव पीएम बने, नयी वैश्विक अर्थप्रणाली का आगमन हो चुका था। इस व्यवस्था के तहत रोज-रोज खुलते नये-नये उद्योग-धंधों व कारोबार ने सामाजिक न्याय के मुद्दे को विस्मृत ही नहीं वरन उसका तिरस्कार भी किया। पश्चिम प्रवर्तित नयी व्यवस्था के अंतर्गत देश के होते कार्पोरेटरीकरण के अनुसार हाशिये पर खड़े लोगों के लिये कुछ करना फिजूलखर्ची तथा इकानॉमी पर बोझ डालना बताया गया।मंडल आयोग की आरक्षण की सिफारिशों अब और कड़ी आलोचना का विषय बन गईं। यह देश का ऐसा बड़ा नरेशन बन गया कि उसके शोर-गुल में बाबरी मस्जिद के ढहाने का काम भी हो गया। इसी के बल पर पीएम बने अटल बिहारी वाजपेयी ने सामाजिक न्याय के मुद्दे को और भी पीछे ठेल दिया। वे इंडिया को शाइन करते रहे। 2004 में कांग्रेस सरकार में लौटी तो भारत के चाल बदलने की बहुत उम्मीद नहीं थी परन्तु कमान गांधी परिवार की बहू सोनिया गांधी के हाथ में थी-प्रधानमंत्री चाहे उसी वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करने वाले डॉ. मनमोहन सिंह थे। वे मनरेगा, भोजन का अधिकार जैसी योजनाएं लेकर आये। उन्होंने पंचायती राज को फिर मजबूत किया, खनिज न्यासों की स्थापना की, ग्राम सभाओं के अधिकार बढ़ाये और इन सबके माध्यम से कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को पुनर्जीवित किया।

पीवी नरसिंह राव एवं मनमोहन सिंह के काल में अलबत्ता एक ऐसा आत्मकेंद्रित व स्वार्थी नवधनाढ्य, खाया-पिया अघाया वर्ग तैयार हो गया जो सब्सिडी को गैर जरूरी मानता है, लोक कल्याणकारी योजनाओं से नफरत करता है और निचले तबकों को उसका वाजिब हक देना ही नहीं चाहता। वह पूरे समाज को थोड़े से टैक्स पेयरों व बड़े उद्योगपतियों की बपौती मानता है।विधायुक्त मकान, कार, अच्छा-खासा बैंक डिपॉजिट एवं टेक्नॉलाजी से सज्जित यह छोटा सा वर्ग सामाजिक व राजनैतिक शक्तियां हासिल कर हाशिये पर खड़े वर्गों को सफे से बाहर करने पर तुला है। यही वह वर्ग है जो भारतीय जनता पार्टी व मोदी को इसलिये पसंद करता है क्योंकि वे बहुजन विरोधी सोच पर आधारित हैं। गरीबों, दलितों, किसानों, मजदूरों, अल्पसंख्यकों से घृणा करने वाला इस बात के प्रति सतर्क रहता है कि कोई भी नेता या राजनैतिक पार्टी सामाजिक न्याय पर बात न करे। इसलिये मोदी के लाये काले कृषि कानूनों के समर्थन में यही वर्ग था जो खेतों में कभी उतरा भी न हो। ये ही वे लोग हैं जो किसानों, आदिवासियों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों की आवाज उठाने वालों को जेल में डालने पर आनंदित होते हैं। कोरोना काल में सड़कों पर मरते मजदूर इनके मनोरंजन का विषय रहते हैं। सबके पीछे उनकी यही मंशा होती है कि उन्हें न्याय न मिले।पिछले कुछ समय से सामाजिक न्याय का मुद्दा फिर से कांग्रेस के हाथों में आ गया है जिसे पिछले दिनों हुए कर्नाटक विधानसभा के चुनावों में सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश के हो चुके तथा राजस्थान व तेलंगाना के होने जा रहे विधानसभा चुनावों में (नतीजे 3 दिसंम्बर को) जातिगत जनगणना के माध्यम से लोगों को अवसर देने की गारंटी है। इसकी नौबत इसलिये आई क्योंकि भाजपा ने अपने इस 10 वर्षीय शासन में दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों के हकों को छीन लिया है।

पीठ की चोट के कारण बीबीएल-13 से हटे राशिद खान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने पीठ में चोट लगने के बाद बिग बैश लीग (बीबीएल) के 13वें संस्करण से नाम वापस ले लिया है। राशिद, जो एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए खेलते हैं, एक छोटी सर्जरी से गुजरेंगे। स्ट्राइकर्स ने एक बयान में कहा, राशिद पीठ की चोट के कारण आगामी बीबीएल 13 से हट गए हैं, जिसके लिए एक छोटे ऑपरेशन की आवश्यकता है। स्ट्राइकर्स ने अभी तक राशिद के प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है, क्लब ने कहा है कि वे भविष्य के सीज़न के लिए राशिद के रिटेशन अधिकार को बनाए रखेंगे। एडिलेड स्ट्राइकर्स के क्रिकेट महाप्रबंधक टिम नीलसन ने कहा, राशिद स्ट्राइकर्स के एक प्रिय सदस्य और प्रशंसकों के पसंदीदा रहे हैं जो सात साल से हमारे साथ है, इसलिए इस गर्मी में हम उनको मिस करेंगे। राशिद को एडिलेड और स्ट्राइकर्स से प्यार है, और हम जानते हैं कि वह बीबीएल में खेलना कितना पसंद करते हैं, और हम उनका समर्थन करते हैं क्योंकि खेल में उनकी दीर्घकालिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उनके पास इस चोट का इलाज है। दिसंबर 2017 में बीबीएल में पदार्पण करने के बाद, राशिद ने 69 मैचों में 17.51 की औसत और 6.44 की इकॉनमी से 98 विकेट लिए हैं। राशिद आगामी बीबीएल से हटने वाले दूसरे बड़े क्रिकेटर हैं, इससे पहले मेलबर्न स्टार्स के हैरी ब्रूक ने अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए बाहर निकलने का फैसला किया था।

आईपीएल के अगले सीजन में हिस्सा नहीं लेंगे बेन स्टोक्स, सीएसके ने की पुष्टि

नई दिल्ली। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी और टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सीजन में हिस्सा नहीं लेंगे। उनकी फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स ने इसकी पुष्टि की। स्टोक्स, जिन्होंने पिछले साल एकदिवसीय संन्यास से यू-टर्न लेते हुए भारत में हाल ही में संपन्न विश्व कप में भाग लिया, अपने बाएं घुटने की सर्जरी कराएंगे और इंग्लैंड के जनवरी 2024 के अंत में भारत के बहुप्रतीक्षित टेस्ट दौरे से पहले ठीक होने की राह पर होंगे। हालाँकि, वह अपने कार्यभार और फिटनेस का प्रबंधन करने के लिए आईपीएल में हिस्सा नहीं लेंगे। सीएसके स्टोक्स को रिलीज करने के लिए तैयार थी, जिसे उन्होंने पिछले साल की नीलामी में 16.25 करोड़ रुपये में खरीदा था, क्योंकि सीजन के लिए उनकी अनुपलब्धता की संभावना थी। फ्रैंचाइज़ी ने अब इंग्लैंड के खिलाड़ी और अगले सीजन को छोड़ने के उनके फैसले का समर्थन किया है। सीएसके के एक आधिकारिक बयान में कहा गया, चेन्नई सुपर किंग्स प्रबंधन आईपीएल से पहले भारत में 5 टेस्ट मैचों की श्रृंखला और फिर जून 2024 में टी 20 विश्व कप को लेकर इंग्लैंड के साथ अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के बेन स्टोक्स के फैसले में उनका समर्थन करता है वहीं, स्टोक्स ने भी विश्व कप के दौरान कहा था, उम्मीद है कि मैं भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ के लिए ठीक हो जाऊंगा। विश्व कप के बाद मेरी सर्जरी होने वाली है... इसे कब करवाना है यह तय करने में काफी समय लग गया। भारत टेस्ट सीरीज, जो हम जनवरी के अंत में शुरू करेंगे, मुझे तब तक ठीक हो जाना चाहिए।

'भाई, विश्व कप ट्रॉफी के प्रति कुछ सम्मान दिखाओ', उर्वशी रौतेला की मिशेल मार्श को नसीहत

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने विश्व कप ट्रॉफी पर अपना पैर जमाए रखने के लिए ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी मिशेल मार्श पर निशाना साधा है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत में वैश्विक टूर्नामेंट जीतने के बाद मार्श ने कप पर अपना पैर रखा था।

अपराजित भारतीय टीम के खिलाफ येलो टीम ने आसान प्रदर्शन किया और 19 नवंबर को 6 विकेट से विजेता बनी। भारत ने बोर्ड पर सिर्फ 240 रन बनाए और लक्ष्य ने वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे सफल टीम को कभी परेशान नहीं किया। ट्रैविस हेड ने शानदार शतक बनाया और मार्नस लाबुशेन ने अर्धशतक लगाकर उनका साथ दिया।

इस बीच ऋषभ पंत पर अपनी टिप्पणियों के लिए चर्चा में रहीं उर्वशी को मैच शुरू होने से पहले एफिल टॉवर में क्रिकेट विश्व कप ट्रॉफी का अनावरण करने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कपिल देव, मिशेल मार्श, लियोनेल मेसी और खुद की तीन तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने एक तस्वीर पर थम्स डाउन इमोजी के साथ लिखा, 'भाई, विश्व कप ट्रॉफी के प्रति कुछ सम्मान दिखाओ। मिचेल मार्श ने कूल दिखने के लिए अपने पैर इसके ऊपर रख दिए हैं।'

चीन मास्टर्स बैडमिंटन

शीर्ष महिला खिलाड़ी एन से-यंग और गिंटिंग एंथोनी सिनिसुका दूसरे दौर में हारे

शेनझेन। महिला एकल में दुनिया की नंबर 1 दक्षिण कोरिया की एन से-यंग और पुरुष एकल में दूसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के गिंटिंग एंथोनी सिनिसुका गुरुवार को यहां 2023 बीडब्ल्यूएफ चीन मास्टर्स के दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए।

विश्व चैंपियन एन को चीन के वांग झीयी से सीधे सेटों में 21-12, 21-16 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, तीसरी वरीयता प्राप्त चीन की चेन युफेई मलेशिया के गोह जिन वेई को 21-9, 21-16 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। पुरुष एकल मुकाबले में गिंटिंग को गैर वरीय चीनी ताइपे के लिन चुन-यी ने 21-18, 21-17 से हराया। अगले दौर में लिन का सामना चीनी शटलर झाओ जुनपेंग से होने वाला है, जिन्होंने डेनमार्क के राससम गेम्के को 21-13, 21-14 से हराया। जापान के तीसरे वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका को डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन पर 21-19, 12-21, 21-19 से जीत हासिल करने के लिए 110 मिनट के कठिन मैच का सामना करना पड़ा, जबकि चीन के सातवीं वरीयता प्राप्त शी युकी को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-15, 21-19 से हराया।

चोट के कारण कैरेबियन दौरे से बाहर हुए इंग्लिश तेज गेंदबाज जोश टंग

लंदन। संयुक्त अरब अमीरात में चल रहे इंग्लैंड लायंस प्रशिक्षण शिविर के दौरान चोट लगने के बाद जोश टंग अगले महीने इंग्लैंड के कैरेबियन दौरे से बाहर हो गए हैं। 3 दिसंबर से एंटीगुआ में शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए मैथ्यू पॉट्स उनकी जगह लेंगे, लेकिन 12-21 दिसंबर तक होने वाले पांच टी20 मैचों के लिए अभी तक किसी प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की गई है।

यह चोट 26 वर्षीय टंग के लिए एक झटका है, जिन्होंने 2023 की घरेलू गर्मियों में लॉर्ड्स में अपने दो टेस्ट मैचों के दौरान प्रभावित किया था, और सभी प्रारूपों में सफेद गेंद से पदार्पण की उम्मीद कर रहे थे। 90 मील प्रति घंटे की गति से उछाल उत्पन्न करने की उनकी क्षमता के साथ, इंग्लैंड सेट-अप के लिए टंग के मूल्य की पुष्टि पिछले महीने हुई थी जब उन्हें एक आकर्षक दो साल का ईसीबी केंद्रीय अनुबंध सौंपा गया था। टंग की तरह, पॉट्स को भी 2023-24 के लिए दो साल का ईसीबी अनुबंध प्राप्त हुआ था, जो 2022 में अपने पहले टेस्ट समर के दौरान उनकी कार्य नीति से प्रभावित हुए थे। इस साल जून में लॉर्ड्स में आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र मैच खेलने से पहले, उन्होंने उस साल पांच मैचों में 28.00 की औसत से 20 विकेट लिए थे।

मान की आतिशी पारी की बदौलतस अर्बनराईजर्स हैदराबाद ने इंडिया कैप्टिल्स को 3 रन से हराया

रांची। जेएससीए इंटरनैशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेली जा रही लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के पांचवे मुकाबले में गुरकीरत सिंह मान द्वारा खेली गई 54 गेंदों पर 89 रनो की आतिशी पारी की बदौलत अर्बनराईजर्स हैदराबाद ने इंडिया कैप्टिल्स को एक रोमांचक मुकाबले में तीन रनों से शिकस्त दी। लीग में अर्बनराईजर्स हैदराबाद की यह दूसरी जीत है।

मैच में कैप्टिल्स ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया, जिसे उनके गेंदबाजों ने सार्थक ठहराया। हैदराबाद के सलामी बल्लेबाजी डायेन स्मिथ (3) और मार्टिन गप्टिल (2) 10 रनों के कुल स्कोर पर सस्ते में पवेलियन लौट गए। इसके बाद गुरकीरत सिंह मान और कप्तान सुरेश रैना ने खतरे को भांपते हुये तीसरे विकेट के लिए 92 रनो की साझेदारी की और स्कोर को 100 के पार पहुंचाया। 46 के निजी स्कोर पर सुरेश रैना, केपी अपन्ना को अपना विकेट दे बैठे। परन्तु मान और नये बल्लेबाज पीटर ट्रिगो ने एक ओर 65 रनों की साझेदारी के साथ टीम को मजबूती दी। 167 के टीम स्कोर पर मुनाफ पटेल ने मान को आउट कर उन्हें शतक बनाने से रोका। वहीं दूसरी ओर नाबाद ट्रिगो ताबड़तोड़ बल्लेबाजी में जुटे रहे और मात्र 20 गेंदों पर 36 रन बनाये। स्टुअर्ट बिन्नी ने एक रन जोड़ा जबकि नाबाद योगेश नागर ने 6 रन बनाए। हैदराबाद ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 189 रन बनाए। ईसुरु उडाना ने सर्वाधिक दो विकेट लिये। 190 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया कैप्टिल्स शुरु से ही संघर्ष करती नजर आई और पहले पावरप्ले के खत्म होने तक टीम ने केवल 43 रन पर कप्तान गौतम गंभीर (0), हाशिम आमला (5), क्रिक एडवार्ड्स (11) और बेन डंक (5) का विकेट खो दिया।

यहां से केविन पीटरसन और रिकार्डो पावेल पांचवें विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम को वापसी दिलाई। इस साझेदारी का अंत मोफू ने पोवेल (26) को आउट कर किया जिससे स्कोर पांच विकेट 115 रन हो गया। पीटरसन ने नये बल्लेबाज एश्ले नर्स के साथ एक ओर 42 रनों की अहम साझेदारी रचते हुये टीम को लक्ष्य के ओर करीब पहुंचाया ।

ताबड़तोड़ छह छक्कों और चार चौकों की मदद से 77 रनों की पारी खेल रहे पीटरसन के आउट होते ही कैप्टिल्स एक बार फिर बैकफुट पर नजर आई। 157/6 के स्कोर को आगे बढ़ाते हुये एश्ले नर्स (25 गेंदों पर 41) की नाबाद पारी भी काम नहीं आई और विपक्षी गेंदबाजों ने टीम को 6 विकेट पर 186 पर रोक दिया। क्रिस पोफू ने सर्वाधिक दो विकेट चटकाये।

पीकेएल सीज़न 10 : गुजरात जायंट्स के कप्तान नियुक्त हुए फ़ज़ल अत्राचली

नई दिल्ली। भारत के सबसे पसंदीदा खेलों में से एक, कबड्डी, प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 10वें सीज़न के साथ जल्द ही वापस आएगा, जो अहमदाबाद शहर में शुरू होगा।

10वें सीज़न से पहले गुजरात जायंट्स ने फज़ल अत्राचली को टीम का कप्तान घोषित किया है, जबकि रोहित गुलिया उप-कप्तान हैं। टीम को कुशल रणनीतिज्ञ और अनुभवी कोच राम मेहर सिंह द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। गुजरात जायंट्स 2017 और 2018 में दो बार फाइनलिस्ट रहे हैं, और प्रतिष्ठित पीकेएल खिताब हासिल करके टीमों के एक विशिष्ट समूह में शामिल होने के लिए उत्सुक होंगे। संयोग से, 2017 के अभियान में, फ़ज़ल उस जायंट्स टीम का हिस्सा थे जो फाइनल में पहुंची थी। 31 वर्षीय डिफेंडर पीकेएल के दो बार विजेता और तीन बार एशियाई खेलों के पदक विजेता रहे हैं, और दिग्गजों के लिए नेतृत्व करने के लिए उच्चतम स्तर पर अपने सभी अनुभव का उपयोग करना चाहेंगे।

कोच राम मेहर सिंह ने यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पीकेएल सीज़न 10 में, सभी खिलाड़ियों में से, फ़ज़ल सबसे सम्मानित खिलाड़ियों में से एक है और उसने अपने करियर में बहुत सारे पदक जीते हैं। मैंने फ़ज़ल के साथ पहले भी काम किया है, और वह महान खिलाड़ी हैं, और हमारे दिमाग में, वह अदानी के गुजरात जायंट्स के लिए कप्तानी के लिए हमारी स्पष्ट पसंद थे। राकेश और प्रतीक दहिया जैसे बेहतरीन खिलाड़ियों और फज़ल की वापसी के साथ, गुजरात के दिग्गजों के पास अच्छी खासी प्रतिभा है। उनके साथ, रोहित और सौरव गुलिया, विकास जगलान, अरकम शेख, जीबी मोरे और ईरानी ऑलराउंडर मोहम्मद एस्माईल नबीबख्श भी हैं। ऐसी महान प्रतिभा और अनुभव के साथ, गुजरात जायंट्स का लक्ष्य सीज़न की ठोस शुरुआत करना होगा। मुख्य कोच राम मेहर सिंह ने कहा कि टीम, यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है कि वे सही समय पर शिखर पर पहुंचें और फॉर्म में रहें।

फज़ल अत्राचली ने कहा, गुजरात जायंट्स एक बहुत बड़ी टीम है और टीम में वापस आना मेरे लिए खुशी की बात है। मुझे टीम का नेतृत्व करते हुए खुशी हो रही है और टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं। मैं जानता हूं कि हम सभी एक साथ मिलकर अच्छा काम करते हैं और एक कप्तान के रूप में इससे मेरा काम आसान हो जाता है। और मैं इस बात से खुश हूं कि चीजें कैसे आकार ले रही हैं। गुजरात जायंट्स अपने सीज़न की शुरुआत 2 दिसंबर को तेलुगु टाइटंस के खिलाफ मैच से करेंगे, जो टूर्नामेंट का शुरुआती दिन है।

ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज से बाहर हुए Yuzi Chahal का चयनकर्ता को मुंहतोड़ जवाब, 6 विकेट चटकाए

अहमदाबाद। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम से अनदेखी के बाद लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने यहां उत्तराखंड के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट में छह विकेट चटकाए जिससे हरियाणा ने छह विकेट से जीत दर्ज की। 33 साल के चहल ने 10 ओवर में 26 रन देकर छह विकेट चटकाए जिससे हरियाणा ने उत्तराखंड को ग्रुप सी मैच में 207 रन पर ढेर कर दिया। चहल ने इस दौरान लिस्ट ए में 200 विकेट भी पूरे किए। युजी चहल को अच्छे प्रदर्शन के बावजूद क्रिकेट विश्व कप के लिए टीम इंडिया में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद जब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी 20 सीरीज आई तब भी उन्हें नजर अंदाज कर दिया गया। विश्व कप में हिस्सा लेने वाले ज्यादा भारतीय क्रिकेटर इस सीरीज में नहीं खेल रहे। लेकिन बावजूद इसके चहल युवा प्लेयरों की टीम में जगह नहीं बना पाए थे। इसके बाद युजी चहल का एक्स पर किया गया एक मैसेज चर्चा में रहा था जिसमें उन्होंने एक इमोजी के साथ अपने दिल का हाल सुनाया था।

मैच की बात करें तो उत्तराखंड की ओर से आदित्य तारे ने 67 जबकि सलामी बल्लेबाज कुणाल चंदेला ने 47 रन की पारी खेली। इसके जवाब में हरियाणा को सलामी बल्लेबाजों युवराज सिंह (68) और अंकित कुमार (49) ने शानदार शुरुआत दिलाई जबकि कप्तान अशोक मनेरिया ने भी नाबाद 44 रन की पारी खेली जिससे टीम ने चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

फीफा प्रमुख आर्सेन वेंगर ने पूरी की भारत की ऐतिहासिक यात्रा

नई दिल्ली। फीफा के वैश्विक फुटबॉल विकास प्रमुख आर्सेन वेंगर ने भारत की अपनी यात्रा संपन्न की, जहां वह दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में अभूतपूर्व प्रतिभा विकास योजना (टीडीएस) की शुरुआत करने गए। अपने चार दिवसीय दौरे में उनके ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर में नई प्रशिक्षण अकादमी का दौरा भी शामिल था, जो देश में सर्वश्रेष्ठ युवा प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें विकसित करने के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय पहल का हिस्सा है। 2022 में लॉन्च किए गए, टीडीएस का लक्ष्य पुरुषों और महिलाओं की राष्ट्रीय टीम फुटबॉल दोनों में वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना है ताकि देश विश्व मंच पर चमक सकें।

फीफा यह सुनिश्चित करने की योजना बना रहा है कि फीफा अकादमी कार्यक्रम के माध्यम से 2027 तक 75 सदस्य संघों के पास कम से कम एक उच्च प्रदर्शन अकादमी या उत्कृष्टता केंद्र हो।

भारत में, फीफा पूर्णकालिक फीफा टैलेंट कोच सेर्गी अमेज़्कुआ को तैनात करेगा। साथ ही फीफा ने प्रतिभा मार्ग की समग्र योजना और कार्यान्वयन पर दिन-प्रतिदिन मार्गदर्शन और विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए उच्च-प्रदर्शन विशेषज्ञ गेड रॉडी को नियुक्त किया है। टीडीएस इंडियन सुपर लीग, आई-लीग, अग्रणी क्लबों, अकादमियों और क्षेत्रीय राज्य संघों के साथ साझेदारी में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के विजन 2047 का पूरक होगा। , सफलता खोलेगा नया द्वार एआईएफएफ की आधिकारिक वेबसाइट पर फीफा मीडिया टीम द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में वेंगर ने कहा, दुनिया में कई बच्चे हैं जिन्हें अपनी प्रतिभा विकसित करने का मौका नहीं मिलता है और हम इसे बदल सकते हैं।उन्होंने कहा, हम उन देशों में विशिष्ट खिलाड़ियों को विकसित करना चाहते हैं जहां आगे विकास की संभावना है और भारत निश्चित रूप से उनमें से एक है। यहां प्रतिभा क्षमता बहुत बड़ी है। हम इस क्षमता को उजागर करने के लिए एआईएफएफ के साथ मिलकर काम करेंगे। फीफा प्रतिनिधिमंडल, जिसमें पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी और उच्च प्रदर्शन विशेषज्ञ फिलिप सेंडेरोस और रयान नेल्सन शामिल थे, ने नई दिल्ली में अपनी यात्रा शुरू की, जहां उन्होंने एआईएफएफ के वरिष्ठ प्रबंधन से मुलाकात की और स्थानीय प्रतिभा पहचान विशेषज्ञों के साथ दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

इसके बाद उन्होंने ओडिशा में नई अकादमी की यात्रा की, जो एक संयुक्त फीफा-एआईएफएफ पहल है जिसे प्रतिस्पर्धी युवा राष्ट्रीय टीमों को विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एक बार जब केंद्र पूरी तरह से चालू हो जाएगा, तो एआईएफएफ देश भर में अतिरिक्त क्षेत्रीय केंद्रों के साथ इस विकास को पूरक बनाने का प्रयास करेगा। वेंगर ने आगे कहा, मैं चाहता हूं कि भारत अपनी युवा प्रणाली को अच्छी तरह से विकसित करे, हम महान खिलाड़ी तैयार करें और भारत फीफा विश्व कप में जाए। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि हमारे पास फुटबॉल की दुनिया को बदलने का अवसर है। फुटबॉल दुनिया का नंबर एक खेल है, और 1.4 बिलियन की आबादी वाले भारत जैसे देश का इस दुनिया में अस्तित्व में रहना निश्चित है और वह इसीलिए हम यहां हैं। अंत में, वेंगर और फीफा प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय क्लबों, लीगों और फुटबॉल प्रतिनिधियों से मिलने के लिए मुंबई की यात्रा की, और फुटबॉल पारिस्थितिकी तंत्र के सभी क्षेत्रों में साझेदारी दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर जोर दिया। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने वेंगर को उनकी यात्रा के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, उनका मार्गदर्शन, नेतृत्व, तकनीकी योजना और रणनीति भारत को सपने देखने में मदद करेगी।

भारत-आस्ट्रेलिया के बीच टी -20 मुकाबले के लिए 24 नवंबर से टिकटों की ऑनलाइन बिक्री

रायपुर। शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में होने वाले भारत-आस्ट्रेलिया के बीच टी-20 मुकाबले के लिए तैयारी शुरु हो गई है। मुकाबले के लिए 24 नवंबर को सुबह 11 बजे से टिकटों की ऑनलाइन बिक्री पे-टीएम से होगी।। इसके अलावा मैच के लिए शहीद वीरनारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को संवारने का काम भी शुरु हो गया है। वहीं अब छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन ने मैच के लिए टिकट के दाम तय कर दिए हैं छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जुबिन शाह ने बताया कि कल 24 नवंबर को सुबह 11 बजे से टिकटों की ऑनलाइन बिक्री पे-टीएम से होगी। दर्शक पेमेंट प्रूफ दिखा कर रायपुर के इंडोर स्टेडियम में खोले जाने वाले 6 काउंटर से ले सकेंगे। टिकटों की बुकिंग आनलाइन होगी। इंडिया और आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को संघ की टीम का मार्गदर्शन करेगी। यह मैच शाम 7.30 बजे से शुरू होगा।मैच की सबसे कम दाम वाली टिकट 1000 रुपये की है जो सिर्फ छात्रों के लिए रखा गया है।

अपर स्टैंड के लिए 3500 रुपये ,लोअर स्टैंड-7500, 5000, 4000 रुपये, सिल्वर-10हजार रुपये ,गोल्ड 12500,प्लेटि नियम - 15000 तथा कॉरपोरेट बॉक्स के लिए 25 हजार रुपये तय किया गया है।

अयोध्या में 25 नवंबर से प्रारंभ हो रही राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता

अयोध्या। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राम की पवित्र नगरी अयोध्या में 25 नवंबर से राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता प्रारंभ हो रही है। प्रतियोगिता की टीमें 24 नवम्बर को यहां आएंगी। 25 नवम्बर से कार्यक्रम प्रारंभ होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुण्डा रहेंगे। यह बातें एनटीपीसी राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता के महासचिव उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ अजय गुप्ता ने कही। वह गुरुवार को राजकीय इंटर कॉलेज में पत्रकारों के साथ बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर पूछे गए एक सवाल पर के जवाब में उन्होंने कहा अयोध्या को इसलिए चुना गया क्योंकि 2024 में राम मंदिर बनने जा रहा है और तीरंदाजी का गेम भगवान राम से जुड़ा है। आप जितने भी भगवान राम के चित्र देखते होंगे उनमें उनके कंधों पर धनुष लटकता हुआ आप देखते रहे हैं। यह खेल ही नहीं एक विधा है। इस प्रतियोगिता में पूरे भारतवर्ष से पुरुष खिलाड़ी 428 और महिला खिलाड़ी 338 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगी। टोटल 43 टीम हैं जो अयोध्या के राजकीय इंटर कालेज के मैदान में आयोजित होने वाले तीरंदाजी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। इस प्रतियोगिता में अयोध्या से कोई खिलाड़ी भाग नहीं ले रहा है। कार्यक्रम 25 तारीख से आरंभ हो रहा है और 29 को समापन होगा। अभी प्रधानमंत्री ने जिन खिलाड़ियों को जो एशिया कप से जीत कर आए हैं सम्मानित किया था, वे सभी खिलाड़ी अयोध्या तीरंदाज खेल में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा यह हमारा दुर्भाग्य है कि जो हमारा धनुष है वह पूरा का पूरा बाहर से आयातीत है। तीर और धनुष भारत में न बनकर विदेश से मंगाए जाते हैं। धनुष दो प्रकार के होते हैं। एक रिकर्व और दूसरा कम्पाउण्ड। ओलंपिक में खेले जाने वाले धनुष हैं वह रिकर्व होते हैं। कार्यक्रम आयोजन करने का जो खर्च है वह लगभग एक करोड़ रुपए के आसपास लग रहा है।

तृषा कृष्णन

ने मंसूर अली खान के माफी पर दिया रिएक्शन, बोलीं- गलती करना इंसान का स्वभाव है

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जाने-माने अभिनेता मंसूर अली खान ने कुछ दिन पहले दिग्गज अभिनेत्री तृषा कृष्णन को लेकर अभद्र टिप्पणी कर दी थी, जिसकी वजह से बवाल मच गया। विवाद बढ़ने के बाद मंसूर ने तृषा से माफी मांगी और अब अभिनेत्री ने इस पर रिएक्शन दिया है।

मंसूर अली खान ने मांगी तृषा से माफी

तृषा कृष्णन और मंसूर अली खान ने थलापति विजय स्टारर फिल्म %लियो% (रू,श) में साथ काम किया। मंसूर का एक वीडियो विवादों में आ गया, जिसमें अभिनेता तृषा को लेकर विवादित बयान देते हुए नजर आए। बवाल मचने के बावजूद पहले मंसूर ने माफी मांगने से इनकार कर दिया था, लेकिन पुलिस केस होने के बाद मंसूर ने माफी मांगी।

रमेश बाला के मुताबिक, मंसूर अली खान ने एक स्टेटमेंट जारी कर तृषा से माफी मांगी। मंसूर ने कहा, मेरी को-एक्ट्रेस तृषा कृष्णन, प्लीज मुझे माफ कर दें। ऊपर वाला मुझे इतना सौभाग्य दे कि मैं तुम्हारे लिए मंगलसूत्र ला सकूं जो शादी की पवित्र रस्म में नारियल की ट्रे में जाता है, अमीन।

मंसूर अली खान के माफी पर बोलीं तृषा कृष्णन

तृषा कृष्णन ने मंसूर अली खान के माफी पर रिएक्शन दिया है। अभिनेत्री ने एक्स (ट्विटर) पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर करते हुए मंसूर के माफी वाले बयान का जवाब दिया है। अभिनेत्री ने लिखा, गलती करना मानव का स्वभाव है और क्षमा देवताओं का गुण।

मंसूर ने तृषा को लेकर क्या कहा था ?

कुछ दिन पहले मंसूर अली खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। क्लिप में मंसूर ने कहा था, जब मुझे पता चला कि मैं तृषा के साथ काम कर रहा हूं तो मैंने सोचा कि फिल्म में एक बेडरूम सीन होगा। मैंने सोचा कि मैं उन्हें उसी तरह बेडरूम में ले जाऊंगा जैसे मैंने अपनी पिछली फिल्मों में अन्य अभिनेत्रियों के साथ किया था। मैंने इस तरह के बहुत सारे सीन किए हैं और यह मेरे लिए नया नहीं है। हालांकि, कश्मीर में शूटिंग के दौरान सेट पर तृषा को मुझे दिखाया तक नहीं।

पंकज त्रिपाठी

की बेटी की भूमिका में होगी अभिनेत्री संजना सांघी, अपनी फिल्म के बारे में बताई कुछ रोचक बाते

पंकज त्रिपाठी की बेटी की भूमिका में होंगी संजना फिल्म दिल बेचारा से अपने अभिनय यात्रा की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री संजना सांघी अपनी अगली फिल्म कड़क सिंह को लेकर बेहद उत्साहित हैं। अभिनेत्री के मुताबिक जब फिल्म के निर्देशक अनिरूद्ध राय चौधरी ने

उन्हें वीडियो काल पर पटकथा सुनाई थी, तो वह थोड़ा भ्रमित थी। संजना के मुताबिक जब फिल्म का प्रस्ताव आया तब अनिरूद्ध फिल्म लास्ट की एडिटिंग कर रहे थे और उनका ध्यान भटक गया था। कड़क सिंह का नरेशन सुनना थोड़ा ट्रिकी था, लेकिन जब मैंने इसकी पटकथा पढ़ी तो मुझे पसंद आई। करियर के इस पड़ाव पर यह जानकर अच्छा लगा कि टोनी दा (अनिरूद्ध चौधरी) जैसे निर्देशक ने बिना आडिशन दिए फिल्म करने के लिए कहा। मुझे खुशी है कि मैंने यह फिल्म की, अन्यथा मुझे जीवन भर इसका पछतावा रहता।

जी5 पर रिलीज होने वाली इस फिल्म में अभिनेता पंकज त्रिपाठी वित्तीय अपराध विभाग में संयुक्त निदेशक की भूमिका में हैं, जो भूलने की बीमारी से पीड़ित है। फिल्म में उनकी बेटी की भूमिका संजना निभा रही हैं। पंकज साथ काम करने को लेकर संजना कहती हैं कि मुझे पंकज सर का मुंबई स्थित घर हमेशा याद रहेगा, जहां मैं मोमोज खाती थी और उनकी बेटी के कमरे में झपकी लेती थी। टोनी दा कभी-कभी हमारे साथ आते थे।

हम शास्त्रीय संगीत सुनते थे और फिल्म के बारे में बात भी नहीं करते थे। हमने ऐसी बहुत सी चीजों के बारे में बात की जो हमारे पात्रों के लिए प्रासंगिक भी नहीं थीं। इन सबके बीच हमारे किरदारों की तैयारी हो गई।

एक धुंधला-सा सपना लगता है..., Pregnancy और मां बनने को लेकर Ileana D'Cruz ने शेयर की अपनी फीलिंग्स

इलियाना डिक्रूज इन दिनों अपना मदरहुड एंजॉय कर रही हैं. उन्होंने इसी साल 1 अगस्त को एक बेटे को जन्म दिया है जिसका नाम उन्होंने कोआ फीनिक्स डोलन रखा. अब एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया के जरिए अपनी प्रेगनेंसी को लेकर बात की है और मदरहुड एक्सपीरियंस भी शेयर किया है.उन्होंने बताया कि उनके लिए यह सबकुछ किसी धुंधले सपने जैसा है और उनके लिए सबकुछ बहुत खूबसूरत है.

इलियाना ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट करते हुए क्वेश्चन-आंसर सेशन चलाया और अपने फैंस से बात की. इस दौरान किसी ने उनसे पूछा, प्रेगनेंसी पर आपका पहला रिएक्शन कैसा था और अब कैसा महसूस होता है? इसपर जवाब देते हुए इलियाना ने अपने प्रेगनेंसी टेस्ट की फोटो शेयर करते हुए लिखा- एक साल पहले पता चला कि मैं प्रेगनेंट हूं, और यह सबसे अनरियल, यकीन न होने वाला इमोशनल मूमेंट था.अभी भी अपने छोटे प्यारे बेटे को पकड़ना बहुत सररियल लगता है. यह एक बड़े, धुंधले-से सपने जैसा लगता है.

बस बहुत जबरदस्त और खूबसूरत था...

एक दूसरे फैन ने इलियाना से उनकी उस फीलिंग को लेकर सवाल किया जो उन्हें अपने बच्चे को देखकर महसूस हुई. फैन ने पूछा- जब आपने अपने बच्चे को पहली बार देखा तो आपको कैसा लगा? क्या उस वक्त आपकी मां आपके साथ थीं?

इसपर इलियाना ने हॉस्पिटल बेड से अपनी मां के साथ एक फोटो शेयर की और लिखा- मेरी मां मेरी प्रेगनेंसी, डिलीवरी और मदरहुड के पूरी प्रॉसेस के दौरान मेरे साथ रहीं. सच कहूं तो मैं उन्हें पाकर बहुत लकी हूं. पहली बार जब आप अपने बच्चे को देखते हैं तो वाकई में कुछ भी आपको तैयार नहीं करता है. यह बस बहुत जबरदस्त और खूबसूरत था.

Amitabh Bachchan ने श्वेता बच्चन को दिया बेशकीमती तोहफा, बेटी के नाम किया अपना बंगला प्रतीक्षा, करोड़ों में है कीमत

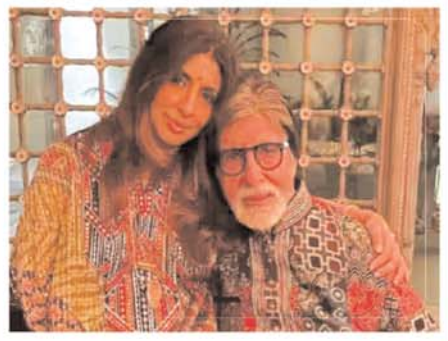

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने हमेशा अपनी दमदार अदाकारी का लोहा मनवाया है. अपने अब तक के करियर में बॉलीवुड के शहंशाह ने तमाम ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं और दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है और आज तक ये सिलसिला जारी है. अमिताभ बच्चन शानदार एक्टर तो हैं ही साथ ही वे एक अच्छे फैमिली मैन भी हैं. बिग बी अपने बच्चों अभिषेक बच्चन और श्वेता बच्चन से बेहद प्यार करते हैं. वहीं अमिताभ ने अब अपनी लाडली बेटी श्वेता बच्चन के बेहद बेशकीमती तोहफा दिया है.

अमिताभ बच्चन ने बेटी श्वेता को गिफ्ट किया अपना बंगला

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमिताभ बच्चन ने अपनी पत्नी जया बच्चन की सहमति के बाद विठ्ठल नगर सहकारी हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड में बने अपने जुहू वाले बंगले 'प्रतिक्षा' को अपनी बेटी श्वेता बच्चन को 8 नवंबर 2023 को गिफ्ट कर दिया .बता दें कि प्रतिक्षा बंगला दो जमीनों पर बना हुआ है. उनमें से एक 9 हजार 585 स्क्वायर फुट में फैला है जिसके मालिक कंबाइंड रूप से जया बच्चन और अमिताभ बच्चन हैं. वहीं 7 हजार 255 स्क्वायर फीट के प्लॉट का मालिकाना हक अकेले अमिताभ के पास है.

वहीं अमिताभ-जया द्वारा श्वेता बच्चन को दिए गए घर की डीड साइन हो चुकी है जिसमें 50.65 लाख रुपये रजिस्ट्रेशन और स्टांप ड्यूटी शुल्क दिए गए थे.बंगले की मार्केट वैल्यू की बात करें तो इसकी कीमत 50.63 करोड़ रुपये बताई जा रही है. हालांकि ये कीमत कंफर्म नही हैं. वहीं बच्चन फैमिली ने इसे लेकर अभी तक कुछ भी ऑफिशियली अनाउंस नहीं किया है.

मुंबई में अमिताभ तीन बंगलों के हैं मालिक

बता दें कि मुंबई में अमिताभ बच्चन के तीन बंगले हैं, प्रतिक्षा, जलसा और जनक. जलसा में अमिताभ बच्चन रहते हैं. इसी बंगले के बाहर रविवार को अमिताभ बच्चन अपने फैंस के साथ मुलाकात भी करते हैं. वहीं परिवार संग सभी त्योहार भी वे अपने इसी बंगले में मनाते हैं.

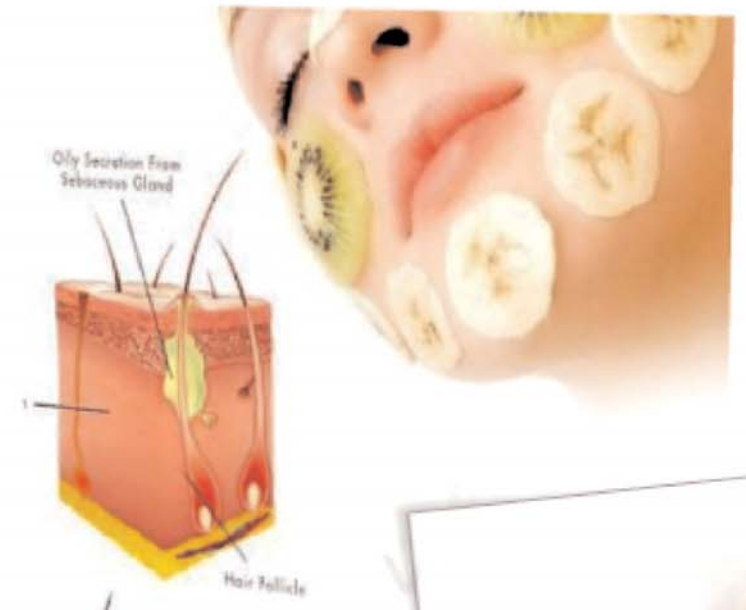

कील-मुंहासों से हैं परेशान, आजमाएं आयुर्वेदिक उपचार

कील-मुंहासे प्रत्येक किशोर या किशोरी को अनिवार्य रूप से होते ही हैं, ऐसा नहीं है। जिनको होते हैं, वे मानसिक रूप से दुःखी-पीड़ित होते हैं और समझ नहीं पाते कि ये कील-मुंहासे क्यों निकल रहे हैं और इनको कैसे ठीक किया जा सकता है।

कील-मुंहासों को आयुर्वेदिक भाषा में 'युवान-पीड़िका' और ऐलोपैथिक भाषा में 'एक्ने' और 'पिम्पल' कहते हैं। किशोर अवस्था की समाप्ति और युवावस्था के प्रारम्भ में चेहरे पर फुंसी के रूप में मुंहासे निकलते हैं और ये पीड़ा पहुंचाते हैं, इसलिए इन्हें 'युवान पीड़िका' कहा गया। शरीर में किसी भी कारण अतिरिक्त रूप से बढ़ी हुई उष्णता मुंहासे पैदा करने में कारण मानी जाती है, इसलिए मुंहासे होने की सम्भावना उनको ज्यादा होती है, जिनके शरीर की तासीर (प्रकृति) गर्म हो। ऐसे बच्चे अगर आहार-विहार भी उष्णता बढ़ाने वाला करते हैं तो उनके शरीर में उष्णता बढ़ती है और कील-मुंहासे निकलने लगते हैं।

कील-मुंहासों के निकलने का समय 13-14 वर्ष की आयु से लेकर 20-22 वर्ष की आयु के मध्य का होता है। इस आयु में उष्णता बढ़ाने वाला आहार-विहार नहीं करना चाहिए। ऐलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मुंहासों का कारण होता है वसा ग्रन्थियों (सिबेसियस ग्लैंड्स) से निकलने वाले स्राव का रुक जाना। यह स्राव त्वचा को स्निग्ध रखने के लिए रोम छिद्रों से निकलता रहता है। यदि यह रुक जाए तो फुंसी के रूप में त्वचा के नीचे इकट्ठा हो जाता है और कठोर हो जाने पर मुंहासा बन जाता है। इसे 'एक्ने वल्गेरिस' कहते हैं। इसमें पस पड़ जाए तो इसे कील यानी पिम्पल कहते हैं। पस निकल जाने पर ही यह ठीक होते हैं। साधारण स्थिति में ये निकलते और ठीक होते रहते हैं पर असाधारण और गम्भीर स्थिति में बहुत दिनों तक बने रहते हैं। चेहरे की त्वचा को कुरूप कर देते हैं। शरीर में एण्ड्रोजन नामक पुरुष हार्मोन की मात्रा सामान्य से ज्यादा हो जाने का भी सम्बन्ध इस व्याधि से होता है। आनुवंशिक प्रभाव भी इसमें कारण होता है।

कारण : तेज मसालेदार, तले हुए, उष्ण प्रकृति वाले पदार्थों का अधिक सेवन करने, रात को देर तक जागने, सुबह देर तक सोए रहने, देर से शौच व स्नान करने, शाम को शौच न जाने, निरंतर कब्ज बनी रहने, कामुक विचार करने, ईर्षा व क्रोध करने, स्वभाव में गर्मी व चिड़चिड़ापन रखने आदि कारणों से शरीर में ऊष्णता बढ़ती है और तैलीय वसा के स्राव में रुकावट पैदा होती है, जिससे कील-मुंहासे निकलने लगते हैं।

सावधानी : हलका, सुपाच्य और सादा आहार पथ्य है, अधिक शाक-सब्जी का सेवन करना, अधिक पानी पीना, शीतल व तरावट वाले पदार्थों का सेवन करना पथ्य है।

तेज मिर्च-मसालेदार, तले हुए, मांसाहारी पदार्थों तथा मादक द्रव्यों का सेवन करना अपथ्य है।

आयुर्वेदिक उपचार

* गाय के ताजे दूध में एक चम्मच चिरौंजी पीसकर इसका लेप चेहरे पर लगाकर मसलें। सूख जाने पर पानी से धो डालें।

* सोहागा 3 ग्राम, चमेली का शुद्ध तेल 1 चम्मच। दोनों को मिलाकर रात को सोते समय चेहरे पर लगाकर मसलें। सुबह बेसन को पानी से गीला कर गाढ़ा-गाढ़ा चेहरे पर लगाकर मसलें और पानी से चेहरा धो डालें।

मसूर की दाल 2 चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं।

* शुद्ध टंकण और शक्ति पिष्टी 10-10 ग्राम मिलाकर एक शीशी में भर लें। थोड़ा सा यह पावडर और शहद अच्छी तरह मिलाकर कील-मुंहासों पर लगाएं।

लोध्र, वचा और धनिया, तीनों 50-50 ग्राम खूब बारीक पीसकर शीशी में भर लें। एक चम्मच चूर्ण थोड़े से दूध में मिलाकर लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं। आधा घण्टे बाद पानी से धो डालें।

* सफेद सरसों, लोध्र, वचा और सेन्धा नमक 25-25 ग्राम बारीक चूर्ण करके मिला लें और शीशी में भर लें। एक चम्मच चूर्ण पानी में मिलाकर लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं।

कूठ, प्रियंगु फूल, मजीठ, मसूर, वट वृक्ष की कोंपलें (नरम छोटी पत्तियां), लोध्र, लाल चन्दन, सब 10-10 ग्राम बारीक चूर्ण करके मिला लें। एक चम्मच चूर्ण पानी के साथ पीसकर लेप बना लें। इसे कील-मुंहासों पर लगाएं।

* साफ पत्थर पर पानी डालकर जायफल घिसकर लेप को कील-मुंहासों पर लगाएं। * वरुण (वरना) की छाल 25 ग्राम लेकर एक गिलास पानी में इतनी देर तक उबालें कि पानी आधा गिलास बचे। लाल चन्दन, काली मिर्च और जायफल, तीनों का पिसा हुआ बारीक चूर्ण 10-10 ग्राम लेकर मिला लें और शीशी में भर लें। कुनकुने गर्म पानी से कील-मुंहासों को धोकर, इस चूर्ण को पानी के साथ मिलाकर गाढ़ा लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं। लेप सूख जाए तब कुनकुने गर्म पानी से धो डालें।

दुल्हन ऐसे करें गहनों का चयन

शादी का मौसम और तैयारियां जोरों पर है। शादी की तैयारी और खरीदारी उतनी आसान भी नहीं होती। कई तरह के सवाल होते हैं, कि क्या जंचेगा क्या नहीं। यह लेना चाहिए या वह। कद-काठी और रंग के अनुसार खरीदारी हो, तो यह सबसे बेहतर होता है। फिलहाल जानिए दुल्हनों के लिए गहनों का चयन करने के लिए कुछ आसान टिप्स -

1 गहने खरीदने का पहला सरल तरीका यह है, कि आप जो पहनने वाली हैं, उसके अनुसार गहनों का चयन कीजिए और कुछ हल्के-फुल्के गहने अतिरिक्त लेकर रखें जो कई जगह आपके काम आ सकते हैं।

2 दूसरी बात, आपको कुंदन, मोती, स्टोन या मेटल जिस प्रकार के गहने पहनने में रुचि है, वह पहले ही तय कर लें और उसके अनुसार ही गहनों की खरीदारी करें। इससे आप भ्रमित नहीं होंगे और आखिरकार वही लेकर आएंगे जो आपने सोचा था।

3 अगर आपकी लंबाई कम है तो इस तरह के हार और कान के बालों का चयन करें जो लंबे हों। हार के मामले में या तो लंबाई अधि?क हो या फिर हार फिलकुल गले से सटा हुआ होना चाहिए। आजकल दोनों साथ में पहनने का भी फैशन है।

4 हार अगर लंबा ले रही हैं, तो लंबाई सीने से जरा नीचे ही रखें। इसके अलावा कोई व्ही शेप नेकलेस भी आपकी लंबाई को बढ़ाएगा।

5 अगर हाथ में ब्रेसलेट पहनने वाली हैं, तो ध्यान रखें कि आप पर पतले ब्रेसलेट ज्यादा अच्छे लगेंगे, बजाए चौड़ाई वाले ब्रेसलेट के। चूड़ि?यों के मामले में भी ऐसे ही चयन करें।

6 अगर आपकी लंबाई अधि?क है, तो आप किसी भी तरह के हार का चयन कर सकती हैं। कान के बाले भी आप पर दोनों तरह के जंचेंगे। इसके अलावा हाथों में चूड़ी या ब्रेसलेट, आप जो भी पहनें हाथ भरकर पहनें।

7 अगर आपकी लंबाई बहुत ज्यादा या बहुत कम नहीं है, तो आप सामान्य लंबाई वाले हैं। आप पर किसी भी आकार और लंबाई के गहने सूट करेंगे। आप बेफिक्र होकर अपनी पसंद के गहने पहन सकती हैं।

त्वचा को बेदाग बनाएं, यह 10 उपाय

साफ-सुथरी, बेदाग और निखरी त्वचा ही असली खूबसूरती को बयां करती है। ऐसी खूबसूरती पाना कौन नहीं चाहता, लेकिन जब कई तरह के जतन करने के बाद त्वचा के दाग धब्बे नहीं जाते तब, सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है। यदि आपके साथ भी यही समस्या है, तो अब फिक्र छोड़ दीजिए। क्योंकि हम बता रहे हैं त्वचा के दाग धब्बों से निजात पाने के 10 आसान उपाय - 1 उपचार से पहले एक बात हमेशा ध्यान रखें कि सावधानी और सुरक्षा रखकर आप दाग-धब्बों को उभरने से रोक सकते हैं। इसके लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें। इससे न केवल दाग-धब्बे कम तो होंगे ही, इने होने की संभावना भी कम हो जाएगी।

2 त्वचा की सफाई पर विशेष ध्यान दें। हल्की पाउडर में थोड़ा-सा कच्चा दूध मिलाकर लगाने से त्वचा के दाग धब्बे कम होते हैं। प्रतिदिन इसका इस्तेमाल करने से चेहरे पर चमक भी आती है।

3 त्वचा पर जहां भी दाग-धब्बे हों, वहां पर थोड़ा सा बेकिंग सोडा और शहद मिलाकर लगाएं। कुछ समय रखकर इसे ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग धब्बे धीरे-धीरे कम होते जाएंगे।

4 जायफल, त्वचा के दाग धब्बे हटाने और रंग निखारने के लिए एक बेहतरीन उपाय है। इसे दूध में घिसकर त्वचा पर लगाने से दाग-धब्बे कम हो जाएंगे और त्वचा का रंग भी साफ होगा।

5 कोको बटर का उपयोग भी चेहरे को बेदाग करने के लिए किया जा सकता है। रोजाना कोको बटर से त्वचा की मसाज करने से दाग-धब्बे तो दूर होंगे ही, स्ट्रेच मार्क्स और अन्य समस्याएं भी ठीक हो जाएंगी।

6 त्वचा के लिए जैतून का तेल भी प्रभावी उपाय है। प्रतिदिन चेहरे पर जैतून के तेल से मसाज कर, 10 मिनट के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा बेदाग तो होगी ही, साथ ही मुलायम और चमकदार भी हो जाएगी।

7 कच्चे दूध का प्रयोग भी आपके चेहरे को बेदाग करने में मदद करता है। प्रतिदिन चेहरे पर कच्चे दूध से मसाज करें या फिर बेसन में कच्चा दूध मिलाकर इस फेस पैक को चेहरे पर लगाएं और कुछ समय बाद गुनगुने पानी से धो लें।

8 अगर आपकी त्वचा रूखी न हो तो आप टमाटर और नींबू के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं। आलू का रस भी चेहरे को बेदाग रखने का एक अच्छा उपाय है। इससे त्वचा के दाग धब्बे तो मिटते ही हैं, रंग भी साफ होता है।

9 दाग धब्बों को त्वचा पर ठहरने न देना भी इसका एक उपाय है। इसके लिए आपको नियमित तौर पर त्वचा की सफाई पर ध्यान देना होगा। साथ ही डेली स्क्रब का इस्तेमाल कर आप मृत त्वचा को भी त्वचा पर जमने से रोक सकते हैं।

10 नीम, पुदीना और तुलसी का रस लगाने से भी त्वचा बेदाग होती है। नियमित इस प्रयोग को करने से त्वचा के दाग-धब्बे मिट जाते हैं, और त्वचा कांतिमय नजर आती है। साथ ही आप ताजगी भी महसूस करते हैं।

ठंड में क्यों फटती है एड़ियां, जानिए सरल इलाज

जैसे-जैसे सर्दी का मौसम अपने शबाब पर पहुंचता है, पैरों की खूबसूरती को बनाए रखना मुश्किल होता जाता है। पैरों की चमड़ी का सख्त हो जाना और एड़ियों का फटना जैसी समस्याएं इस मौसम में आम तौर पर उभरकर सामने आती हैं। इससे बचने के लिए कुछ बातों का ख्याल रखना आवश्यक है। जानिए कुछ महत्वपूर्ण बातें-

क्या है एड़ियां फटने की मुख्य वजह एड़ियां फटने की मुख्य वजह शरीर में कैल्शियम और चिकनाई की कमी होती है। एड़ी व तलवों की त्वचा मोटी होती है, इसलिए शरीर के अंदर बनने वाला सीबम यानी कुदरती तेल पैर के तलवों की बाहरी सतह तक नहीं पहुंच पाता। फिर पौष्टिक तत्व व चिकनाई न मिल पानेकी वजह से ही एड़ियां खुरदरी-सी हो जाती हैं और इनमें दरार पड़ने लगती है। एड़िया ज्यादा फटने से दर्द और जलन तो होती ही है, कभी-कभी खून भी निकल आता है।

ठंड में फटी एडियों से छुटकारा पाने के नुस्खे

* डेढ़ चम्मच वैसलीन में एक छोटा चम्मच बोरिक पावडर डालकर अच्छी तरह मिला लें और इसे फटी एड़ियों पर अच्छी तरह से लगा लें, कुछ ही दिनों में फटी एड़ियां फिर से भरने लगेंगी। * अगर एड़ियां ज्यादा फटी हुई हों तो मैथिलेटिड स्पिरिट में रुई के फाहे को भिगोकर फटी एड़ियों पर रखें। ऐसा दिन में तीन-चार बार करें, इससे एड़ियां ठीक होने लगेंगी। * गुनगुने पानी में थोड़ा शैंपू, एक चम्मच सोड़ा और कुछ बूंदें डेटॉल की डालकर मिला लें। इस पानी में पैरों को 10 मिनट तक भिगोकर रखें। त्वचा फूलने पर मैथिलेटिड स्पिरिट लगाकर एड़ियों को प्यूमिक स्टोन या झांवे से रगड़कर साफ कर लें। इससे एड़ियों कीमृत त्वचा साफ हो जाएगी। फिर साफ तौलिए से पोंछकर गुनगुने जैतून या नारियल के तेल से मालिश करें। * पैरों को साफ व खूबसूरत बनाए रखने के लिए पैडिक्योर को अवश्य चुनें। यह पैरों के नाखून, एड़ी व तलवों की सफाई का शानदार तरीका है। * पैडीक्योर एक आसान विधि है, इसे आप खुद घर पर भी कर सकती हैं अगर आपके पैरों की दशा ज्यादा खराब है तो पैडीक्योर किसी ब्यूटी स्पेशलिस्ट से ही करवाना मुनासिब है।

चांदी के सिंघासन पर विराजे दंदरौआ महाराज

ग्वालियर। अंचल की श्रद्धा के केंद्र एवं दंदरौआ हनुमान मंदिर के महामंडलेश्वर रामदास महाराज को उनके जन्मदिन के मौके पर महल स्थित करौली माता एवं कुंवर महाराज मंदिर के महामंडेश्वर कपिल मुनि महाराज ने चांदी का सिंघासन भेंट किया। वे सोमवार को करौली माता के भक्तों को लेकर मेहगांव स्थित दंदरौआ पहुंचे जहां उन्हें यह रजत सिंघासन सौंपा गया। इस मौके पर वृंदावनधाम के महामंडलेश्वर राधिकादास महाराज प्रमुख रूप से मौजूद रहे। महामंडलेश्वर कपिल मुनि महाराज के नेतृत्व में महलगांव करौली मैया के भक्तों ने रजत सिंघासन की सौगात दंदरौआ महाराज को सौंपी। इस मौके पर कपिल मुनि महाराज ने कहा कि करौलीमैया की ओर से दंदरौआ हनुमानजी की जी ये भेंट सौंपी गई है। हम सभी करौलीमैया एवं हनुमानजी महाराज से कामना करते हैं कि दंदरौआ महाराज इसी तरह जगत कल्याण के लिए कार्य करते रहें। इस मौके पर दंदरौआ महाराज ने भावुक होते हुए कहा कि हनुमानजी की विशेष कृपा से ही सभी श्रद्धालुओं का इतना स्नेह मुझे मिलता है। दंदरौआ महाराज की कृपा सभी पर बनी रहे। इस मौके पर संत राघवेंद्र दास, देवेंद्र दास, शैलेंद्र शर्मा, विपिन शर्मा, सचिन शर्मा, सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

मतगणना को लेकर सतर्क कांग्रेस पहले पोस्टल की गिनती को अड़ेगी

ग्वालियर/भोपाल। कांग्रेस इस बार मतगणना को लेकर बेहद सतर्क है और मतगणना में ईव्हीएम की गिनती से पहले पोस्टल बैलेट डाक मतपत्र की गिनती के लिये अ?गी। कांग्रेस इसी क्रम में ईव्हीएम की राउंडवार गिनती में प्रत्येक राउंड की लिखित घोषणा पर भी जोर देगी। इस संदर्भ में एक ज्ञापन कांग्रेस ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुपम राजन को भी सौंपा है। बीते दिवस भोपाल में कांगेस के राज्यभर की 230 विधानसभा सीटों से आये कानूनी सलाहकारों व कांग्रेस के नेताओं को कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ सहित अन्य प्रमुख जानकारों ने टिप्स दिये। स्वयं कमलनाथ ने सभी प्रतिनिधियों से बात की और मतगणना में चौकन्ना रहने को कहा। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखे कि ईव्हीएम की गिनती उनके क्रमवार से ही, जिससे मतगणना में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो सकें और मतगणना एजेंट भी डायरी में मशीन व चक्रवार हिसाब रख सकें। कुल मिलाकर कांग्रेस अब मतदान की प्रक्रिया के बाद मतगणना को लेकर भी बेहद चौकन्नी है और प्रत्येक जिला और ब्लाक कांग्रेस कार्यालय में भी कंट्रोल रूम बनाकर वहा वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को मतगणना के दिन बिठायेगी, ताकि प्रदेशभर की विधानसभा सीटों को लेकर पूरी जानकारी व आपस में समन्वय रख सकें।

राष्ट्रीय सलाहकार बनाये जाने पर जौहरी का गर्मजोशी से स्वागत हुआ

ग्वालियर। राष्ट्रीय सशक्त दिव्यांग आत्मनिर्भर ट्रस्ट के राष्ट्रीय सलाहकार मनोनीत किए जाने पर अनूप जौहरी के सम्मान में रविवार को तिघरा एवं गोल पहा?या पर विकलांगजनों ने एक स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें शहर जिला कांग्रेस विकलांग कल्याण प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एवं वरिष्ठ समाजसेवी अनूप जौहरी की कार्य कुशलता को देखते हुए राष्ट्रीय सशक्त दिव्यांग आत्मनिर्भर ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीपी मिश्रा द्वारा उनको राष्ट्रीय सलाहकार मनोनीत किए जाने पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने ब?ी ही गर्मजोशी से पुष्पहार पहनाकर गर्म शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इस पर अनूप जौहरी ने राष्ट्रीय सशक्त दिव्यांग आत्मनिर्भर ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीपी मिश्रा एवं आत्मनिर्भर ट्रस्ट के सभी प्रदेशों के अध्यक्षगणों, वरिष्ठ पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं का आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में गोल पहा?यां तिघरा रोड पर स्थित व्यवसाई लोक सिंह राठौर ने अपने प्रतिष्ठान पर जौहरी को पुष्पहार पहना कर स्वागत किया। आभार व्यक्त करने वालों में महेश कुशवाह, लल्ला कुशवाह, बंटी कुशवाह, नरेश जाटव, प्रकोष्ठ अध्यक्ष जीतू यादव, उपाध्यक्ष परमाल सिंह कुशवाह आदि शामिल हैं।

कलाकारों के बीच बैजाताल पहुंचे कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह

ग्वालियर। डा. वासंती जोशी (बक्षी) की स्मृति में आयोजित रंगोत्सव के तीसरे दिन आज मुंबई, कोल्हापुर, ग्वालियर सहित विभिन्न स्थानों से आए कलाकारों ने कलाकारों के साथ-साथ कुछ छात्र कलाकारों ने भी पेंटिंग्स के अपने जौहर दिखाए। नगर के कला प्रेमी और बहुत से नागरिक भी इस अवसर पर कलाकारों को काम करते देख आनंदित हो रहे थे। इस कला समागम में जिला कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह भी परदेसी कलाकारों से मिलने बैजाताल आ गए। कलेक्टर सिंह ने कलाकारों से मिलकर उनका अभिनंदन किया व उनके कला कर्म की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कलाकारों को ग्वालियर लाने के लिए प्रोफेसर डॉक्टर श्रीमती वासंती जोशी (बक्षी) कला एवं सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद जोशी को भी बधाई दी। सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम होते रहने चाहिए और ग्वालियर के कलाकारों को भी बाहर जाना चाहिए। ग्वालियर की समृद्ध पुरा संपदा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विशेषकर हमारा संगीत और कला ही समाज की स्थाई धरोहर है। सिंह काफी समय तक कलाकारों के साथ रहे और उनके साथ चित्र भी उतरवाए।

बैजाताल पर अपनी-अपनी पसंद के अनुसार चयनित स्थान पर बैठकर पेंटिंग्स बनाई। अधिकतर कलाकारों ने लैंडस्केप, कंपोजिशन तथा कुछ ने अमूर्त और एक कलाकार ने कैलीग्राफी का कमाल दिखाया। इन बीस

सीएम बघेल ने बारिश की संभावना को देखते हुए कलेक्टरों को खरीदी केंद्रों में धान का रखरखाव सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश में बारिश की संभावना को देखते हुए कलेक्टरों को खरीदी केंद्रों में धान का बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, प्रदेश में इस समय समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जा रही है, धान को बारिश से बचाने के लिए उपार्जन केन्द्रों में कैप कवर, ड्रेनेज सहित सभी जरूरी इंतजाम किए जाएं। धान खरीदी केंद्रों पर किसानों की सहूलियत का ध्यान रखा जाए। धान उपार्जन केन्द्रों का भ्रमण कर बारिश से धान को सुरक्षित रखने की सभी व्यवस्था सुनिश्चित कर लें।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में मतगणना के लिए ऑनलाइन ट्रेनिंग शुरू

सक्ती। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत सक्ती जिले में 17 नवंबर 2023 को मतदान कार्य होने के बाद 3 दिसंबर को कृषि उपज मंडी परिसर नंदेलीभाठा में मतगणना कार्य किया जाना है। जिसके लिए विधानसभावार अलग-अलग मतगणना कक्ष बनाए जा रहे हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देशन में 3 दिसंबर को सुव्यवस्थित मतगणना कार्य कराए जाने के लिए ऑनलाइन ट्रेनिंग शुरू हो गई है। जिला अंतर्गत सक्ती, चंद्रपुर और जैजैपुर तीनों विधानसभा क्षेत्र के लिए आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के एनआईसी कक्ष में मतगणना संबंधी ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित की गई। प्रशिक्षण में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बालेश्वर राम, रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 35 सक्ती श्री पंकज डाहिरे, रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 36 चंद्रपुर सुश्री दिव्या अग्रवाल, रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 36 श्री अरूण कुमार सोम, डीआईओ श्री ऋषि रॉय, विभिन्न सहायक रिटर्निंग अधिकारी सहित निर्वाचन कार्यालय और एनआईसी टीम के सभी संबंधित अधिकारी कर्मचारी शामिल हुवे।

राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग ने मनाया राष्ट्रीय संविधान दिवस

संविधान दिवस का मकसद संविधान के प्रति लोगों को जागरूक करना है चितरंजय पटेल, अधिवक्ता उच्च न्यायालय

सक्ती/राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग द्वारा राष्ट्रीय संविधान दिवस गरिमामय वातावरण मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अभ्यागत राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग लीगल सेल के प्रदेश अध्यक्ष चितरंजय पटेल ने बताया कि संविधान दिवस मनाने का मुख्य मकसद भारतीय संविधान के प्रति नागरिकों को जागरूक करना है ताकि सभी सम्मान के साथ राष्ट्रीय ग्रंथ को आत्मसात करते हुए उसका पालन सुनिश्चित करें। संविधान दिवस का आयोजन राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग एवम जिला पत्रकार संघ के सायुज्य में गरिमामय वातावरण में जिला मीडिया कार्यलय में संपन्न इस कार्यक्रम का संचालन करते हुए महेंद्र बरेठ ने संगठन के सभी सदस्यों को संविधान दिवस की बधाई दिया। साथ ही राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग के प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्त डा विजय कुमार लहरे को पत्रकार संघ एवम आयोग के सभी लोगों के द्वारा बुके भेंटकर बधाई दी गई तब डा लहरे ने दायित्व का निर्वहन निष्ठा और ईमानदारी से करने का संकल्प लिया इस गरिमामय आयोजन में पत्रकार संघ के अध्यक्ष, तपेश शर्मा, मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग के जिला अध्यक्ष महेंद्र बरेठ, व्योम लहरे, उदय मधुकर, राम अवतार साहू, रामकुमार महर, महेंद्र खांडे, मोहन चंद्रा, महेंद्र खांडे, देवेंद्र, अर्जुन राठौर, पालुराम चंद्रा, अनीता पटेल, बसंत बरेठ आदि की उपस्थित रहे। इन पलों में मुख्य अतिथि चितरंजय पटेल ने उपस्थित लोगों को भारतीय संविधान के उद्देशिका का पठन कराते हुए सबसे संविधान के भलीभांति पालन करने का आग्रह किया।

तंबाकू के सेवन से बड़ी उम्र के लोग हो रहे हृदयघात के शिकार

ग्वालियर। ठंड बढ़ने के साथ ही हृदयघात के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। पिछले एक सप्ताह में जयारोग्य अस्पताल की कार्डियोलाजी में हृदयघात के एक सैंकड़ा से अधिक मरीज पहुंचे। खास बात यह है कि इन मरीजों में 70 फीसद की उम्र 40 से 50 साल के मध्य है। हृदय रोग विशेषज्ञ एवं विभाग प्रमुख डा. पुनीत रस्तोगी का कहना है कि इन 70 फीसद मरीजों में 80 फीसद की केस हिस्ट्री चौंकाने वाली थी, क्योंकि यह सभी किसी न किसी तरह से तंबाकू का सेवन करते हैं। तंबाकू का सेवन कम उम्र में दिल का दर्द दे रहा है। 20 से 30 साल के युवाओं में बीपी संबंधी शिकायत पाई जा रही है। ठंड में हृदय की धमनियों में सिकुड़न होने पर यह समस्या बढ़ जाती है। पिछले एक सप्ताह में 15 फीसद हृदयघात के मरीजों की संख्या बढ़ी है। सिगरेट, बीड़ी और गुटखा तंबाकू का सेवन करने से हृदय में रक्त का प्रवाह कम हो होने लगता है और दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। डा. रस्तोगी का कहना है कि धूम्रपान से कोरोनरी धमनियों में रुकावट और संकुचन की गति बढ़ जाती है। दिल का दौरा तब होता है जब कोई चीज, आमतौर पर रक्त का थक्का, हृदय में रक्त के प्रवाह को रोक देता है। धूम्रपान हमारी धमनियों को कमजोर करता है, जिससे कोरोनरी हार्ट डिजीज और स्ट्रोक हो सकता है। धूम्रपान करने से हृदय की कोशिकाएं सख्त और कमजोर हो सकती हैं। जो लोग धूम्रपान करते हैं, उनके हृदय की कार्यक्षमता समय के साथ खराब होती जाती है। इससे मरीज को हर्टअटैक का खतरा बढ़ जाता है और खतरा रहता है।

बाहर का भोजन लोगों को दिल का रोग बांट रहा है। असल में मिलावटी व खराब खान पान से युवा दिल के रोगी बन रहे हैं। डा रस्तोगी का कहना है कि होटलों एवं फुटपाथ पर लगने वाले ठेलों में एक ही तेल को बार-बार उबालकर उसका उपयोग कचोरी, समोसे, पकोड़े, सेंव एवं पानीपुरी आदि बनाने में किया जाता है। थोड़े से फायदे के लिए दुकानदार जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कई दुकानों पर एक ही तेल को पूरा खत्म होने तक कई बार गर्म करके खाद्य सामग्रियां बनाई जाती हैं। जो स्वास्थ्य के लिए बहुत खतरनाक है। उच्च तापमान पर गर्म तेल से विषैला धुआं निकलता है।उच्च तापमान पर तेल में मौजूद कुछ फैट्स ट्रांस फैट में बदल जाते हैं, ट्रांस फैट्स नुकसानदेह है। ये शरीर में कोलेस्ट्राल और हृदयरोग का खतरा बढ़ाते हैं। जब तेल को दोबारा इस्तेमाल किया जाता है तो ट्रांस फैट्स की मात्रा और ज्यादा हो जाती है। फूड्स में नमी, वायुमंडलीय आक्सीजन और उच्च तापमान के संयोग से इड्रोलिसिस, आक्सीकरण और बहुलीकरण जैसी प्रतिक्रियाएं निर्मित होती हैं।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478